इंदौर, मंगलवार 14 जुलाई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 221
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

छात्रों की समस्या को लेकर निकाली साईकिल यात्रा

पेज-2

सना की पहली फिल्म 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का ड्राफ्ट तैयार

पेज-5

शिक्षा विभाग की उल्टी धारा, पोस्टिंग से पहले मांगी सहमति-असहमति

पेज-6

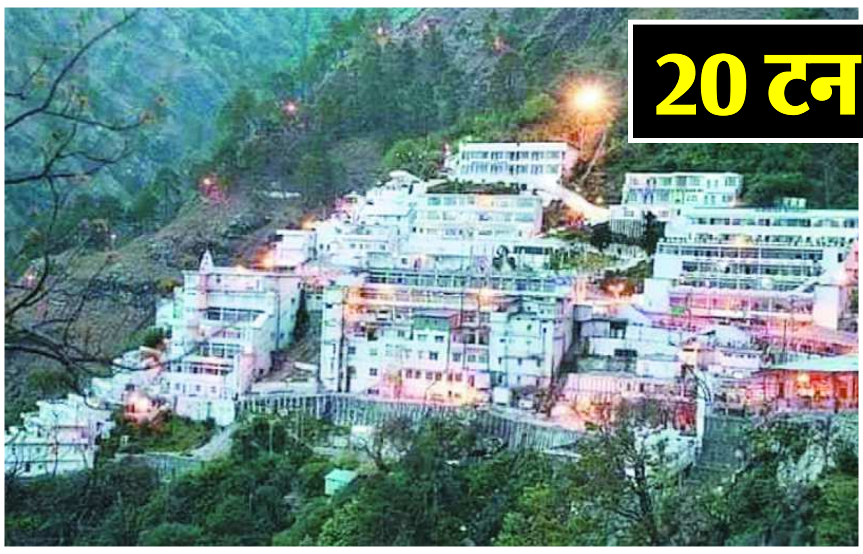

20 टन से अधिक नकली चांदी चढ़ाई

वैष्णो देवी दरबार में 500 करोड़ का फ्रॉड!

अदालत ने पुलिस से मांगा रिकॉर्ड

जम्मू (एजेंसी) ● श्री माता वैष्णो देवी के दरबार में चढ़ाई गई 550 करोड़ की नकली चांदी के मामले में जम्मू की अदालत ने पुलिस को रिकॉर्ड कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने 29 जुलाई को अगली सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने का आदेश दिया है। यहां बता दें कि मां वैष्णो देवी के दरबार में 20 टन से अधिक चांदी भक्तों द्वारा चढ़ाई गई थी। इसकी बाजार में कीमत 550 करोड़ के आसपास बैठती है।

बोर्ड ने चांदी को गलाने के लिए भेजा तो उसमें पांच से छह प्रतिशत ही चांदी निकली। बताया गया कि शेष कैडमियम और लोहा जैसे तत्व हैं। अर्थात ज्यादातर चांदी नकली ही निकली। यह मामला सामने आने के बाद जम्मू के एडवोकेट दीपक शर्मा ने नौ मई को पुलिस महानिरीक्षक (क्राइम ब्रांच) और एसएसपी आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) जम्मू को विस्तृत शिकायत देकर एफआइआर दर्ज करने तथा मामले की जांच की मांग की थी।

मंदिर में चढ़ाई गई चांदी की अदला-बदला की आशंका

उन्होंने आशंका जताई थी कि श्रद्धालुओं द्वारा मां के दरबार में चढ़ाई गई चांदी में मिलावट की गई है या उसकी अदला-बदली की गई है। इसमें हेर-फेर की आशंका को देखते हुए उन्होंने इस मामले की विस्तृत जांच की मांग की थी। पुलिस की जांच इस मामले में आगे नहीं बढ़ी तो उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और एफआइआर दर्ज कर जांच की मांग की। कोर्ट के निर्देश पर क्राइम ब्रांच ने स्टेटस रिपोर्ट में बताया कि क्राइम मुख्यालय श्रीनगर से स्वीकृति के बाद इसे जोनल पुलिस मुख्यालय जम्मू को भेजा गया है। इस पर याचिकाकर्ता ने आपत्ति जताते हुए दलील दी कि आर्थिक अपराध शाखा जम्मू का अपना पुलिस थाना है और उसे शिकायत पर कार्रवाई करनी चाहिए थी।

29 जुलाई को होना होगा उपस्थित

उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में महत्वपूर्ण सुबूतों को सुरक्षित रखने के लिए उठाए गए किसी भी कदम का उल्लेख नहीं है। इसके बाद जम्मू के चीफ ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट ने जांच अधिकारी को पूरा रिकॉर्ड लेकर 29 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होने का आदेश दिया।

10 माह पहले सीएम ने किया भूमिपूजन, फिर नहीं पकड़ी गति

स्टाफ क्वार्टर तोड़ने की तैयारी, एमवाय अस्पताल विस्तार परियोजना अब भी धीमी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● महाराजा यशवंतराव (एमवाय) अस्पताल के 1450 बेड वाले नए भवन निर्माण की महत्वाकांक्षी परियोजना अब भी धीमी गति से आगे बढ़ रही है। करीब 10 माह पहले मुख्यमंत्री द्वारा भूमिपूजन किए जाने के बावजूद निर्माण कार्य अपेक्षित रफ्तार नहीं पकड़ सका है। परियोजना के तहत अस्पताल परिसर में स्थित 39 शासकीय स्टाफ क्वार्टरों को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

मध्यप्रदेश भवन विकास निगम (एमपीबीडीसी) ने पुराने ओपीडी भवन के पीछे स्थित इन क्वार्टरों के ध्वस्तीकरण के लिए टेंडर जारी किए हैं। ठेका आवंटित होने के बाद तीन माह के भीतर क्वार्टर हटाने का लक्ष्य रखा गया है। अस्पताल प्रबंधन ने अधिकांश डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों को आवास खाली करने के निर्देश दिए हैं। कई परिवार अन्य स्थानों पर शिफ्ट हो चुके हैं, जबकि कुछ की प्रक्रिया जारी है। परियोजना स्थल पर अभी भी बड़ी मात्रा में मलबा मौजूद है और साइट पूरी तरह तैयार नहीं हो पाई है। खुदाई का कार्य भी धीमी गति से चल रहा है। हाल ही में मशीनों की मदद से अर्थवर्क शुरू किया गया है। निर्माण क्षेत्र में आने वाले पेड़ों के स्थानांतरण की अनुमति का भी इंतजार किया जा रहा है। करीब 773 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस अस्पताल में अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, ट्रॉमा सेंटर, मल्टीलेवल पार्किंग, ऑडिटोरियम और विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी विभाग विकसित किए जाएंगे। हालांकि लेआउट प्लान में संशोधन और साइट तैयार करने में हो रही देरी के कारण परियोजना की निर्धारित तीन वर्ष की समय सीमा चुनौतीपूर्ण नजर आ रही है।

नगरीय निकाय के एल्डरमैन के नामों की सूची फिर से अधर में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भाजपा में नई नियुक्तियां होनी हैं, नगर निगम में एल्डरमैन नियुक्त किए जाने हैं, लेकिन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ रही है। संगठन ने एल्डरमैन के लिए नाम मांगे, लेकिन स्थानीय स्तर पर नाम नहीं भेजे गए हैं। सरकार एल्डरमैन की नियुक्ति की प्रक्रिया कर रही है, विधायकों ने अपनी तरफ से नाम दिए हैं, लेकिन आम राय नहीं बनने से नाम आगे नहीं बढ़ाए जा सके हैं। संगठन पुराने कार्यकर्ताओं को एल्डरमैन के पद पर बैठाने के प्रयास में है जबकि विधायकों की ओर से 2-2 नाम आ गए हैं। इसके कारण नाम आगे नहीं बढ पा रहे हैं।

गौरतलब है कि काफी लंबे समय से नगरीय निकाय में एल्डरमैन की नियुक्ति को लेकर पार्टी स्तर पर लंबा विचार-विमर्श चल रहा है। हालांकि प्रदेश की नगर पालिकाओं में एल्डरमैन की नियुक्ति हो चुकी है। बड़े शहरों में बात की जाए तो इंदौर में संगठन को सभी विधायकों के बीच सामंजस्य बिठाने में परेशानी आ रही है, जिसके चलते एल्डरमैन की सूची को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। प्रदेश संगठन से अनेक बार मौखिक निर्देशों के बाद भी नगर ईकाई इस मामले में आम राय नहीं बना पा रही है। ज्ञातव्य है कि इंदौर में 6 विधायक, महापौर और सांसद की सिफारिशों के बीच नगर ईकाई को एल्डरमैन के नामों का चुनाव करना है।

न्यूज ब्रीफ

- चारा घोटाला केस में लालू यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत, जमानत रद्द करने से इनकार
- कर्नाटक : भाजपा के वरिष्ठ नेता रामचंद्र गौड़ा का निधन, बेंगलुरु के अस्पताल में ली अंतिम सांस
- जॉर्डन की सेना ने बताया कि उसने ईरान से दागी गई चार मिसाइलों को रोका
- ग्रेटर नोएडा वेस्ट : गैलेक्सी वेगा सोसायटी की लिफ्ट अटकी, 4 बच्चियां फंसी
- दिल्ली : पीतमपुरा-शालीमार बाग में अवैध रूप से बनी मजार पर चला बुलडोजर
- बिहार में बांकीपुर उपचुनाव की तैयारियों में जुटी बीजेपी : आज समीक्षा करेंगे नितिन नबीन

अवधेश नायक ने बढ़ाया सस्पेंस, बोले- अभी कोई फैसला नहीं; भाजपा-कांग्रेस दोनों की नजर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अवधेश नायक इन दिनों राजनीतिक चर्चाओं के केंद्र में हैं। कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने के बाद उनके भाजपा में लौटने की अटकलें तेज हैं। इस बीच नायक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर साफ किया है कि उन्होंने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। अवधेश नायक ने लिखा कि पिछले दो दिनों में उनके निवास पर कांग्रेस और भाजपा, दोनों दलों के प्रत्याशी और वरिष्ठ नेता सौजन्य भेंट के लिए पहुंचे। उन्होंने बताया कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, सांसद, विधायक, पूर्व मंत्री और संगठन के कई पदाधिकारी भी उनसे मिलने आए। उन्होंने कहा कि बसई अंचल और ग्रामीण क्षेत्र के अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से चर्चा अभी बाकी है।

नामांकन से दूरी, स्टार प्रचारकों की सूची में भी नाम नहीं

अवधेश नायक कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह के नामांकन कार्यक्रम में भी नजर नहीं आए। इसके अलावा कांग्रेस की घोषित स्टार प्रचारकों की सूची में भी उनका नाम शामिल नहीं है। इससे उनके भविष्य को लेकर राजनीतिक चर्चाएं और तेज हो गई हैं।

2023 से अब तक नाराजगी बरकरार

अवधेश नायक 2023 में भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने पहले उन्हें उम्मीदवार घोषित किया, लेकिन 24 घंटे के भीतर टिकट बदलकर राजेंद्र भारती को दे दिया। पार्टी नेतृत्व ने भविष्य में अवसर देने का भरोसा दिया था। इस बार भी दतिया उपचुनाव में टिकट नहीं मिलने से उनकी नाराजगी सामने आई है।

खुद ही लगाई रोक, फिर भी जारी कर दिए टेंडर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एक ओर नगर निगम पूरे शहर में नए पेवर ब्लॉक लगाने पर रोक की बात करता रहा, दूसरी ओर अब उसी निगम ने तीन कॉलोनियों में पेवर ब्लॉक बिछाने के टेंडर जारी कर दिए हैं। इस फैसले ने निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिन पेवर ब्लॉकों को गुणवत्ता और भ्रष्टाचार की शिकायतों के चलते बंद करने का दावा किया गया था, अब वही काम फिर से शुरू होने जा रहा है। इससे यह चर्चा तेज हो गई है कि आखिर प्रतिबंध सिर्फ कागजों तक सीमित था या फिर कुछ क्षेत्रों के लिए नियम अलग हैं। नगर निगम ने वार्ड-9 की पेनजॉन कॉलोनी, वृंदावन कॉलोनी और महेश गार्डन लाइन सहित आसपास के क्षेत्रों में नए पेवर ब्लॉक लगाने के लिए टेंडर जारी किए हैं। खास बात यह है कि पिछले कुछ महीनों से निगम के इंजीनियरिंग विभाग ने शहर में नए पेवर ब्लॉक लगाने के प्रस्तावों पर रोक लगा रखी थी। इसकी वजह बार बार उखड़ने वाले पेवर ब्लॉक, घटिया निर्माण और बड़े पैमाने पर सामने आई अनियमितताओं की शिकायतें थीं।

भागीरथपुरा में सड़क चौड़ीकरण और नई सड़कें

नगर निगम ने भागीरथपुरा क्षेत्र में भी विकास कार्यों की तैयारी तेज कर दी है। आरके नमकीन के पास और खेत वाली गली में नई सड़कें बनाई जाएंगी। इसके साथ सड़कों का चौडीकरण भी किया जाएगा। जहां अतिक्रमण या बाधक निर्माण होंगे, वहां मकानों और दुकानों के हिस्से हटाकर रास्ता चौड़ा किया जाएगा। इससे पहले भी इस क्षेत्र की कई गलियों का चौड़ीकरण कर नई सड़कें बनाई जा चुकी हैं और अब अगले चरण के कार्य शुरू होने वाले हैं।

■ **सबसे बड़ा सवाल** : एक तरफ निगम पेवर ब्लॉक को लेकर गड़बड़ियों और गुणवत्ता पर सवाल उठाकर नए कार्यों पर रोक लगाता है, दूसरी तरफ उन्हीं पेवर ब्लॉकों के नए टेंडर जारी कर देता है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या नियम बदले हैं, या फिर कुछ क्षेत्रों के लिए अलग व्यवस्था लागू की जा रही है? निगम के इस विरोधाभासी फैसले पर अब लोगों की नजरें टिकी हुई हैं।

पुराने शहर की सड़कें भी होंगी सीमेंटेड

महापौर निधि से करीब डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से पुराने शहर के कई हिस्सों में सड़क निर्माण और बैकलाइन सुधार का काम भी शुरू किया जाएगा। इसके तहत राम मंदिर, सुभाष चौक, इमली बाजार, पानी की टंकी, बोहरा मस्जिद और आसपास के क्षेत्रों में सीमेंट कंक्रीट सड़कें बनाई जाएंगी।

इंजीनियरों की अदूरदर्शी से एक ओर ब्रिज बनेगा शहर के लिए परेशानी का सबब

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की यातायात व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले शास्त्री ब्रिज को लेकर सामने आ रही पुनर्निर्माण और ऊंचाई बढ़ाने की योजना पर अब तकनीकी और यातायात विशेषज्ञों ने गंभीर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि रेलवे के विद्युतीकरण और ट्रेनों के सुगम संचालन के लिए ब्रिज का रोड लेवल लगभग दो मीटर तक ऊंचा किया जाता है, तो केवल ऊंचाई ही नहीं बल्कि उसकी दोनों ओर की लंबाई भी बढ़ानी पड़ेगी, जिससे शहर के सबसे व्यस्त यातायात क्षेत्रों में नई समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। इससे पहले भी राऊ और एमआर-4 ओवर ब्रिज कि गलत डिजाईन मुसीबत बन चुकी है।

विशेषज्ञों के अनुसार ब्रिज की एक भुजा गांधी प्रतिमा और दूसरी सियागंज की दिशा में बढ़ेगी। ऐसी स्थिति में दोनों ओर की एप्रोच रोड गांधी हॉल तिराहा और रीगल तिराहा क्षेत्र को प्रभावित कर सकती हैं। इससे इन महत्वपूर्ण जंक्शनों की वर्तमान यातायात व्यवस्था पूरी तरह बदल सकती है। आशंका जताई जा रही है कि यदि एप्रोच रोड आगे बढ़ती हैं तो दोनों तिराहों पर वाहनों की आवाजाही सीमित करनी पड़ सकती है या कुछ मार्गों को बंद करने की नौबत भी आ सकती है।

इनका कहना है...

किसी भी ब्रिज की ऊंचाई बढ़ाने के साथ उसके ढाल (ग्रेडिएंट) को सुरक्षित रखने के लिए दोनों तरफ एप्रोच रोडकी लंबाई बढ़ाना अनिवार्य होता है। अनुमानित रूप से यदि शास्त्री ब्रिज का स्तर दो मीटर तक बढ़ाया जाता है तो उसकी दोनों भुजाओं को 60 से 70 मीटर तक आगे बढ़ाना पड़ सकता है।

- अतुल सेठ, यातायात एवं तकनीकी विशेषज्ञ

न्यूज ब्रीफ

देवनारायण व्यास बने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● बावलिया खेड़ी के पूर्व सरपंच देवनारायण व्यास ओदिच्य ब्राह्मण ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किए गए उनकी राष्ट्रीय स्तर पर हुई नियुक्ति का सांवेर क्षेत्र के ब्राह्मण समाज में हर्ष की लहर है, पंडित राजेश व्यास राजा गुरु, पिंटू व्यास अरविंद व्यास, हेमंत सिंह चौहान,शिवमंगल सिंह तोमर, सहित अनेक वरिष्ठ जनों ने उनकी नियुक्ति पर उन्हें बधाई प्रेषित की।

अंतर्राष्ट्रीय मंच पर फिर लहराया तिरंगा : मुख्यमंत्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोलंबिया के बुकारामांगा में आयोजित 56वीं इंटरनेशनल फ़िज़िक्स ओलंपियाड 2026 में गोल्ड मेडल जीतने वाले युवाओं को बधाई देकर उनके उज्ज्वल एवं मंगलमय भविष्य की कामना की है। इस ओलंम्पियाड-2026 में इंदौर के प्रतिभावान छात्र श्री रिद्धेश अनंत बेंडले सहित श्री कनिष्क जैन, श्री ऋषित गर्ग, सुश्री श्रेष्ठा सुरैया और श्री स्वरित जोशी ने यह उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे युवाओं ने एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहराकर पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। हम सबको आप सभी पर गर्व है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि दूसरे युवाओं को भी विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

प्रदेश के सभी जिलों में मनेगा बलराम कृषि महोत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर कृषि वर्ष के तहत प्रदेश के सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित जायेगा। बलराम कृषि महोत्सव 15 जुलाई से शुरू होकर आगामी 13 नवम्बर 2026 तक कृषि से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। बलराम कृषि महोत्सव का मुख्य कार्यक्रम 15 जुलाई को कृषि उपज मण्डी लक्ष्मीबाई नगर इंदौर में मनाया जायेगा। इस आयोजन में इंदौर जिले के कृषक बड़ी संख्या में सहभागिता करेंगे। आयोजन में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी। यह जानकारी संभागायुक्त द्वारा कृषि विभाग, मंडी बोर्ड, आत्मा आदि विभागों की समीक्षा बैठक में दी। उन्होंने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव का उद्देश्य किसानों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें आधुनिक संसाधनों और तकनीकी से जोड़ना है।

कांग्रेस ने दी जनांदोलन की चेतावनी, नेता प्रतिपक्ष का आरोप

मकान तोड़कर सड़क की चौड़ी, अब नगर निगम नक्शे नहीं कर रहा पास

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट भाटिया ने पुराने इंदौर में वर्षों से लंबित भवन अनुज्ञा (नक्शा स्वीकृति), नामांतरण घोटाले व गरीबों के आवास अधिकारों के मुद्दे पर भाजपा सरकार और नगर निगम प्रशासन को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि डाटा फॉर्म की प्रक्रिया के नाम पर पुराने इंदौर के नागरिकों के भवन नक्शे वर्षों से स्वीकृत नहीं किए जा रहे हैं, जिससे उनके संवैधानिक और वैधानिक अधिकारों का हनन हो रहा है।

भवन अनुमति में देरी पर उठाए सवाल : मिमरोट ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण के दौरान जिन लोगों के मकान तोड़े गए, उन्हें अब तक समुचित मुआवजा नहीं मिला। अब जब वे अपनी ही भूमि पर नया निर्माण करना चाहते हैं तो नगर निगम नक्शे स्वीकृत नहीं कर रहा है। उन्होंने महापौर पुष्यमित्र भार्गव से सवाल किया कि पिछले एक वर्ष से लगातार 'जल्द' नक्शे मंजूर होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन इसका कोई परिणाम अब तक सामने नहीं आया। उनका कहना था कि यदि नगर निगम समय पर अनुमति देने में सक्षम नहीं है तो नागरिकों द्वारा किए गए निर्माण को तोड़ने का नैतिक अधिकार भी प्रशासन के पास नहीं है।

जनांदोलन की चेतावनी : नेता प्रतिपक्ष ने चेतावनी दी कि यदि इन मांगों पर शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस जनता, व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और युवाओं के साथ नगर निगम मुख्यालय का घेराव, तालाबंदी और व्यापक जनांदोलन करेगी।

गरीबों के आवास अधिकारों की अनदेखी का आरोप : उन्होंने कहा कि वर्ष-2021 में कॉलोनी अधिनियम में संशोधन होने के बावजूद नगर निगम ने वर्षों तक नियमों का पालन नहीं कराया। अब करीब 300 बिल्डरों और कॉलोनाइजरों को आश्रय निधि जमा करने के नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उनका कहना था कि यदि समय पर नियमों का पालन कराया जाता तो बीपीएल और ईडब्ल्यूएस वर्ग के अनेक गरीब परिवारों को आवास का लाभ मिल सकता था। उन्होंने संबंधित अधिकारियों की जांच, उनकी गोपनीय चरित्रावली में लापरवाही दर्ज करने तथा पदोन्नति और वेतनवृद्धि पर रोक लगाने की मांग की।

नामांतरण घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग

नेता प्रतिपक्ष ने नगर निगम में हुए कथित नामांतरण घोटाले का मुद्दा उठाते हुए कहा कि लगभग 360 संपत्तियों का नामांतरण संबंधित नागरिकों की जानकारी के बिना अन्य लोगों के नाम कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले एक अधिकारी को जांच सौंपी गई, लेकिन रिपोर्ट आने से पहले तीन सदस्यीय नई समिति गठित कर जांच को लंबा खींचने का प्रयास किया गया। उन्होंने मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई और दोषियों को संरक्षण देने के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग की।

मेट्रो निर्माण से हो रहे कंपन के कारण जर्जर भवनों के गिरने का था खतरा, हादसे से पहले ढहाया

■ जेल रोड पर दो भवन हटाए, खतरनाक गैलरी गिराने दो दिन का दिया अल्टीमेटम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बारिश के मौसम में जर्जर भवनों से होने वाले संभावित हादसों को रोकने के लिए ननि ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को जोन 3 में निर्माणाधीन मेट्रो स्टेशन के स्थित दो जजर भवनों पर बुलडोजर लाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया गया साथ ही कुमार मोहल्ला में नगर निगम के 12 पुराने और अनुपयोगी क्वार्टरों को भी जमींदोज कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान एक अन्य भवन की

खतरनाक गैलरी को लेकर भवन स्वामिनी को दो दिन का अंतिम नोटिस जारी किया गया है। तय समय में गैलरी नहीं हटाने पर निगम स्वयं कार्रवाई करेगा और उसका खर्च भी भवन स्वामी से वसूलेगा।

तरीके भारी मशीनों की सहायता से नियंत्रित से की कार्रवाई: नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर जनसुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान भवन अधिकारी पल्लवी पाल, भवन निरीक्षक जोशना उबनारे, सहायक रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे तथा एमजी रोड थाना पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। मशीनों की सहायता से भवनों को नियात तरीरी से गिराया गया, ताकि आसपास की इमारतों और यातायात पर कोई असर न पड़े। नगर निगम के भवन विभाग के अनुसार जेल रोड स्थित जिस भवन को हटाया गया, वह पहले से जर्जर था। निर्माणाधीन मेट्रो स्टेशन के कारण लगातार हो रहे कंपन (वाइब्रेशन) से उसकी गैलरी हिलने लगी थी।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत भारत विकास परिषद सदस्यों ने रोपे औषधीय पौधे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● परिषद के क्षेत्रीय संयुक्त सचिव राजकुमार साबू और राष्ट्रीय संपर्क टोली के सदस्य मनीष बिसानी ने बताया कि नव गठित सेवा शाखा के सदस्य दम्पत्तियों ने इस देशव्यापी कार्यक्रम में उत्साह से भाग लेकर अंवाला, बेहड़ा, हरड़, हरसिंगार, अमलतास, स्वर्ण चंपा और नीम जैसे बहु उपयोगी पौधे रोपे। पौधे शीघ्र ही वृक्ष का रूप ले लें अत: 6 फीट और अधिक ऊँचाई के पौधे रोपे गये। शाखा अध्यक्ष राजकुमार जैन और सचिव पंकज गांधी ने कहा पर्यावरण संरक्षण में भी शहर को एक मिसाल बनाना हम सभी नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। सभी सदस्यों ने पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। कोषाध्यक्ष गुंजन सोमानी ने सभी सदस्य दंपतियों का इस सेवा कार्य के लिए आभार माना।

सुरमयी गीतों से दी गई स्व. ओमप्रकाश शर्मा को पुष्पांजलि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संगीत की शाम आपके नाम' में बंधा समां इंदौर स्व. ओमप्रकाश शर्मा की पावन स्मृति में एक भव्य और भावपूर्ण संगीतमयी संध्या का आयोजन किया गया।'संगीत की शाम आपके नाम' ग्रुप के द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों और ग्रुप के ही संगीत प्रेमियों ने सुरों के माध्यम से उन्हें भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान गायकों ने हिंदी सिनेमा के दिग्गज फनकारों—किशोर कुमार, मुकेश, लता मंगेशकर और उषा मंगेशकर, येशुदास-के सदाबहार गीतों की ऐसी प्रस्तुतियां दीं कि पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा वरिष्ठ अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति इसस गरिमापूर्ण आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस के संगठन महामंत्री संजय कामले, श्री श्री गौड़ ब्राह्मण समाज पेड़ी के अध्यक्ष संजय व्यास एवं समाज के अध्यक्ष शैलेंद्र जोशी एवं ग्रुप के एडमिन व कार्यक्रम प्रभारी प्रदीप नाईक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अवंतिका गैस लाइन हादसे की जांच पर हाई कोर्ट नाराज

केस डायरी से असंतुष्ट अदालत ने एसीपी को किया तलब

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विजय नगर स्थित अवंतिका गैस पाइपलाइन हादसे की जांच को लेकर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने जांच की प्रगति पर असंतोष जताते हुए संबंधित एसीपी को अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। साथ ही राज्य शासन से हादसे में झुलसे पीड़ितों को अंतरिम मुआवजा देने की नीति भी कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने को कहा है।

सुनवाई के दौरान मामले के जांच अधिकारी कोर्ट में उपस्थित हुए और केस डायरी पेश की। अदालत ने केस डायरी का अवलोकन करने के बाद जांच की दिशा और गंभीरता पर सवाल उठाए। कोर्ट ने टिप्पणी की कि यदि जांच की स्थिति इसी प्रकार रही तो मामले को किसी दूसरी एजेंसी को सौंपने पर भी विचार करना पड़ सकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अब तक की जांच में अपेक्षित गंभीरता दिखाई नहीं दे रही है और कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्पष्टता का अभाव है। इसी कारण संबंधित एसीपी को अगली सुनवाई में स्वयं उपस्थित होकर जांच की प्रगति से अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट के संज्ञान में यह भी आया कि हादसे से संबंधित बोरिंग मशीन और वाहन को जिला न्यायालय के आदेश पर वाहन मालिक की सुपुर्दगी में दे दिया गया है। इस पर अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए जांच अधिकारी से पूछा कि जांच लंबित रहने के दौरान इस संबंध में क्या कार्रवाई की और साक्ष्यों की सुरक्षा के क्या कदम उठाए गए।

श्री वैष्णव इंस्टीट्यूट के एग्रीकल्चर के छात्रों ने किया श्री कृष्ण नर्सरी मुकाता का भ्रमण

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● वैष्णव कॉलेज के एग्रीकल्चर के छात्र-छात्राओं ने नर्सरी का शैक्षणिक भ्रमण प्रो. डॉ. किशोर मुठाळ, डॉ. बाबासाहेब वाळुंजकर, डॉ. शीतल शिंदे के सानिध्य में किया। आज के भ्रमण में छात्रों ने पौधों की ग्राफ्टिंग, कलम लगाना, ट्रे में कोकोपीट के साथ बीज उगाने की प्रक्रिया आदि के साथ साथ उनकी देखभाल के गुर सीखे। प्रोफेसर किशोर ने सहजन के पौधों पर लग रही कीटों के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए उसका समाधान बताया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड सांवेर की नवांकुर संस्था मुकाता के द्वारा संचालित इस नर्सरी के संचालक अध्यक्ष अजय शर्मा, उपाध्यक्ष गोरधन सिंह पंवार और सचिव नरेंद्र सिंह पंवार ने नर्सरी संचालन से संबंधित सभी बारीकियों पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही छात्रों सहित प्रोफेसर जनों ने उन्नत कृषक श्री हरिओम पिता कमल सिंह ठाकुर और गोपाल पिता दर्पण सिंह पंवार मुकाता के खेतों का भ्रमण करके अकरकरा की दुर्लभ खेती का जायजा भी लिया। आज के भ्रमण में उपस्थित सभी छात्र छात्राएं एवं प्रोफेसर नर्सरी में मौजूद आम एवं जामुन की थाई किस्मों को देखकर बहुत प्रसन्न हुए साथ ही छोटे से गांव में इतनी विकसित नर्सरी होने पर खुशी जाहिर की।

छात्रों की समस्या को लेकर निकाली साईकिल यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर से छात्रों युवाओं की विभिन्न समस्याओं को लेकर निकाली साइकिल यात्रा जो विभिन्न मार्गो से होते हुए भोपाल पहुंचेगी। इस साइकिल यात्रा में इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव अपने साथियों सहित इस साइकिल यात्रा में शामिल हुए इस साइकिल यात्रा में बड़ी संख्या में कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता युवा छात्र एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुआ।

6 राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए आवेदन की तिथि 31 अगस्त निर्धारित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वर्ष 2025 के राज्य और जिला स्तरीय पुरस्कारों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 31 अगस्त कर दिया गया है। विभाग को पूर्व में तय समय-सीमा के भीतर बेहद कम संख्या में आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसके चलते जमीनी स्तर पर काम करने वाले वास्तविक हकदारों तक पहुँचने के उद्देश्य से आवेदन की तिथि बढ़ा दी गयी है।

कुल छह अलग-अलग श्रेणियों में राज्य और जिला स्तर पर पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसमें विजेताओं को एक लाख रुपये तक की सम्मान निधि और प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया जाता है। इसके तहत बाल विवाह और दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने तथा पीड़ितों के पुनर्वास में योगदान देने वाली बालिकाओं और महिलाओं को 'रानी अवंती बाई राज्य स्तरीय वीरता पुरस्कार' से सम्मानित किया जाएगा।

देपालपुर पुलिस ने 9 स्थाई व गिरफ्तारी वारंटी को दबोचा

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर/क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और गंभीर व संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर देपालपुर पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए आधी रात को विशेष कॉम्बिंग गश्त चलाकर लंबे समय से फरार चल रहे कुल 9 स्थाई और गिरफ्तारी वारंटियों को धरदबोचा। पकड़े गए सभी आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल वारंट जारी होने के बाद उन्हें उपजेल देपालपुर भेज दिया गया है।

देपालपुर पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई ग्रामीण इंदौर के पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार वर्मा के निर्देशन, अति. पुलिस अधीक्षक महू (इंदौर) राज कृष्ण एवं अनुविभागीय अधिकारी

पुलिस देपालपुर संघ प्रिय सम्राट के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देपालपुर रणजीत सिंह बघेल के नेतृत्व में टीम बनाई गई और 11जुलाई की मध्य रात्रि को वारंटियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की दो विशेष टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों ने देपालपुर क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में एक साथ दबिश दी और क्षेत्र के लम्बे समय से फरार चल रहे विष्णु पिता रमेश चौधरी निवासी जलालपुरा, पवन पिता छतर सिंह निवासी सेमदा, दिनेश पिता पूना पवार निवासी कुनगारा, मांगीलाल पिता सज्जन सिंह निवासी सेमदा, बहादुर पिता दल्ला बंजारा निवासी तकीपुरा, इरशाद पिता अजीज शेख निवासी देपालपुर संतोष पिता हरीराम सोंलकी निवासी हरनासा, कादर पिता सगीर खान निवासी जलोदियापंथ, सुमित पिता जितेन्द्र ननवाना निवासी बनेडिया को गिरफ्तार किया गया, इस कार्रवाही में थाना प्रभारी रणजीत सिंह बघेल के साथ उप निरीक्षक रविन्द्र सगर, स.उ.नि. कृष्णकुमार राय, स.उ.नि. आदम खान, स.उ.नि. रण सिंह चौहान, आरक्षक 3006 राजेन्द्र सुमन, प्रधान आरक्षक 71 राधेश्याम गावड, प्र.आर. 400 सचिन हिंगणकर, आरक्षक 2277 अमित सिंह राजपूत, आरक्षक 2236 दीपेन्द्र सिंह गुर्जर एवं आरक्षक 1745 धर्मेन्द्र जाटव का विशेष और सराहनीय योगदान रहा।

मालवा निमाड़ में अटल गृह ज्योति योजना अंतर्गत 148 करोड़ रूपए की सब्सिडी दी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी राज्य शासन की अटल गृह ज्योति योजना का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही हैं। पिछले एक बिल माह के दौरान कंपनी क्षेत्र के पात्र घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में 148 करोड़ से अधिक रूपए की सब्सिडी प्रदान की गई है। राज्य शासन की इस सब्सिडी योजना से 26 लाख 47 हजार से ज्यादा उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। योजना अंतर्गत मालवा निमाड़ में ज्यादा इंदौर जिले तीन लाख से ज्यादा उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं, इन्हें 14 करोड़ से ज्यादा की राहत प्रदान की गई है। धार जिले के 2.58 लाख उपभोक्ताओं , खरगोन जिले के 2.52 लाख उपभोक्ताओं को, उज्जैन जिले के 2.36 लाख उपभोक्ताओं को, रतलाम जिले के 2 लाख 400 उपभोक्ताओं को अटल गृह ज्योति योजना से लाभान्वित कर बिल में सब्सिडी प्रदान की गई है। इसी तरह अन्य जिलों में 75 हजार से 1.92 लाख उपभोक्ताओं को इस महत्वपूर्ण योजना से लाभान्वित कर घरेलू बिलों में पात्रतानुसार राहत दी गई है। इस योजना में दैनिक औसत 5 यूनिट की खपत पर सब्सिडी दी जाती हैं, ऐसे उपभोक्ताओं को पहले सौ यूनिट खपत का बिल सौ रूपए दिया जाता हैं, पात्रता होने पर शेष पचास यूनिट का बिल प्रचलित टैरिफ से दिया जाता हैं, तीस दिन में 150 यूनिट औसतन दैनिक खपत पांच यूनिट प्रतिदिन से ज्यादा होने पर माह विशेष में सब्सिडी की पात्रता खत्म हो जाती है।

बिजली कंपनी के 810 कार्मिकों के पदोन्नति आदेश जारी

राज्य शासन के निर्देशानुसार मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी बिजली कार्मिकों को पदोन्नति आदेश जारी कर रही है। कंपनी के 16 संवर्गों के 810 कार्मिकों को ऊंचे पदों पर पदोन्नत किया गया हैं, कंपनी की ओर से अन्य संवर्गों के लिए पदोन्नति के प्रक्रिया अभी भी जारी हैं। कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान ने बताया कि जिन संवर्गों के लिए पदोन्नति दी गई हैं उनमें महाप्रबंधक सूचना प्रौद्योगिकी, कार्यपालन अभियंता सिविल, उप महाप्रबंधक सूचना प्रौद्योगिकी, उपमहाप्रबंधक मानव संसाधन, सहायक अभियंता सिविल, प्रबंधक मानव संसाधन, प्रबंधक सूचना प्रौद्यिगिकी, आदि पदोन्नति पद शामिल हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 14 जुलाई 2026

न्यूज़ ब्रीफ

अ.भा. अग्रवाल महासभा पूरे देश में चलाएगी पर्यावरण संरक्षण अभियान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अ.भा. अग्रवाल महासभा ने देश के 33 राज्यों में अपने संगठनों और समाज बंधुओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाने का संकल्प व्यक्त किया है। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल ने इंदौर में भंवरकुआं क्षेत्र में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम के साथ इस अभियान का शुभारम्भ किया और उक्त संकल्प की घोषणा की। महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री हरि अग्रवाल, संगठन मंत्री राजेश रामबाबू अग्रवाल एवं मालवा प्रान्त के अध्यक्ष अशोक गोयल ने बताया कि महासभा के तत्वावधान में इंदौर में भी व्यापक स्तर पर पौधरोपण एवं पर्यावरण सुधार की दिशा में समयबद्ध कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसके लिए संस्था के सदस्यों से संकल्प पत्र भी भरवाए जा रहे हैं।

शहर के अनेक समाजसेवी बंधुओं और धार्मिक क्षेत्र की हस्तियों ने शोकाकुल गुप्ता परिवार को दी सांत्वना

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री नागर चित्तौड़ा वैश्य महाजन समाज के समाजसेवी एवं वरिष्ठ पत्रकार चंदू गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला गुप्ता के दुखद निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने राज्य के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, पत्रकार राजेश चेलावत, विधायक मधु वर्मा, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, पार्षद अभिषेक शर्मा बबलू, पार्षद निरंजन सिंह चौहान गुड्डू, भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता दीपक जैन टीनू, लोकतंत्र सेनानी संघ के गिरीश शर्मा आदित्य एवं गणेश अग्रवाल सहित अनेक समाजसेवी बंधुओं ने उनके अन्नपूर्णा रोड, देवेन्द्र नगर स्थित निवास 'पंचामृत' पर पहुंचकर दिवंगत पुण्यात्मा को श्रद्धा सुमन समर्पित कर शोकाकुल परिवार को सांत्वना प्रदान की।

साईं मंदिर के 3 दिवसीय स्थापना दिवस का प्रथम निमंत्रण खजराना गणेश को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सुखलिया स्थित लवकुश आवास विहार में साईं बाबा मंदिर का 3 दिवसीय स्थापना दिवस महोत्सव 17 जुलाई से आयोजित किया जा रहा है, इसका प्रथम निमंत्रण खजराना गणेश जी को अर्पित किया। आयोजन में साईं बाबा का अभिषेक हवन पूजन, खाटू श्याम बाबा की विशाल भजन संध्या, स्वास्थ्य शिविर,सम्मान समारोह और विशाल भंडारा सहित विभिन्न आयोजन होंगे। 3 दिनों तक मनाए जा रहे स्थापना दिवस महोत्सव में हजारों साईं भक्त सम्मिलित होंगे। साईं बाबा मंदिर समिति अध्यक्ष चन्द्रकांत कुंजीर, करण कुंजीर, ने बताया कि सुखलिया स्थित लवकुश आवास विहार में साईं बाबा के मंदिर का स्थापना दिवस 3 दिनों तक मनाया जाएगा। सोमवार को सुबह खजराना गणेश मंदिर में भगवान खजराना गणेश का पूजन अर्चन करके वेद मंत्रों मंत्रों के समिति के सदस्यों ने आयोजन का प्रथम निमंत्रण गणेश जी के चरणों में अर्पित किया। सुख समृद्धि और आयोजन के सफल होने की कामना की।

दतिया उपचुनाव : भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशी करोड़पति

कांग्रेस : घनश्याम सिंह
20 करोड़ के मालिक

भाजपा : आशुतोष
1.79 करोड़ के मालिक

भोपाल (एजेंसी) ● दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए कांग्रेस के प्रत्याशी घनश्याम सिंह भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी से कई गुना ज्यादा अमीर हैं। घनश्याम 20.08 करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक हैं। जबकि आशुतोष तिवारी के पास 1.79 करोड़ रुपए की संपत्ति है। यह जानकारी दोनों के नामांकन फॉर्म के साथ लगाए गए शपथ-पत्र में सामने आई है। दतिया राजघराने के मुखिया घनश्याम सिंह के पास साढ़े तीन करोड़ से ज्यादा की कृषि भूमि और ढाई करोड़ की गैर-कृषि भूमि के साथ-साथ कमर्शियल बिल्डिंग्स भी हैं। दोनों की पत्नियों की संपत्ति का अंतर ठीक उलट है। घनश्याम सिंह खुद भले ही ज्यादा संपत्ति के मालिक हों, लेकिन उनकी पत्नी के पास करीब 84.17 लाख रुपए की संपत्ति है। आशुतोष की पत्नी कल्पना के पास करीब 1.76 करोड़ रुपए की मालिकियत है। जिसमें अकेले उनके पास 1.31 करोड़ रुपए की कृषि भूमि शामिल है। घनश्याम सिंह के खिलाफ तीन केस रजिस्टर्ड हैं। जबकि आशुतोष का कोई भी आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

मंगलवार को नामांकन की जांच, 16 तक नाम वापसी

सोमवार को नामांकन दाखिल करने के अंतिम दिन प्रत्याशियों ने नामांकन लिए गए। अब 14 जुलाई यानी मंगलवार को नामांकन की जांच की जाएगी। जिले में कुल 32 नामांकन दाखिल किए गए हैं। इनमें से कुछ प्रत्याशियों ने दो-दो नामांकन दाखिल किए हैं। इनमें भाजपा के आशुतोष ने दो, घनश्याम सिंह ने तीन और दामोदर ने दो नामांकन दाखिल किए हैं। कोई भी प्रत्याशी 16 जुलाई तक अपना नामांकन वापस ले सकता है।

सोना रखने के मामले में पत्नियां अपने-अपने पतियों से आगे हैं। घनश्याम सिंह के पास कुल 240 ग्राम सोना है। जबकि उनकी पत्नी के पास करीब 580 ग्राम सोना है। वहीं, आशुतोष के पास 80 ग्राम सोना है। पत्नी कल्पना के पास 312 ग्राम सोना है। घनश्याम सिंह के पास 1.80 लाख रुपए कैश हैं, जबकि आशुतोष के पास 1 लाख 54 हजार 500 रुपए की नकदी है। आशुतोष के पास बैंकों का कुल 11.83 लाख रुपए का कर्ज है। जबकि घनश्याम सिंह पर 5.63 लाख रुपए की देनदारी है।

परीक्षा नहीं हुई तो कॉलेज गेट पर बांधा भैंसा, नए कोर्स के छात्र परेशान

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● देवास में केपी कॉलेज और साइंस कॉलेज में शुरू किए गए नए कोर्स के विद्यार्थियों की पहले वर्ष की परीक्षा अब तक आयोजित नहीं हुई है। इसी के विरोध में सोमवार को हरडू ने केपी कॉलेज परिसर के बाहर अनोखा प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कॉलेज गेट पर भैंसा बांधकर पुंगी बजाई और विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष श्रीकांत चौहान ने बताया कि इन दोनों कोर्सों की शुरुआत बड़े-बड़े दावों के साथ की गई थी। विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य और कोर्स पूरा होने पर प्लेसमेंट का भरोसा दिलाया गया था। हालांकि, अब तक पहले वर्ष की परीक्षा भी नहीं हो पाई है, जिससे विद्यार्थियों का पूरा शैक्षणिक सत्र प्रभावित हो रहा है। चौहान ने कहा कि यह प्रदर्शन विश्वविद्यालय प्रशासन को उसकी लापरवाही से जगाने के लिए किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द परीक्षा की तिथि घोषित नहीं की गई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से कॉलेज गेट पर भैंसा बांधकर पुंगी बजाई। उनका उद्देश्य विश्वविद्यालय प्रशासन को विद्यार्थियों के भविष्य के प्रति हो रही लापरवाही को गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करना था। विद्यार्थी दिलीप सिंह रायपुरिया ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रवेश के समय तीन वर्ष में प्लेसमेंट सहित बेहतर करियर का आश्वासन दिया गया था। उन्होंने बताया कि पहले वर्ष की परीक्षा नहीं होने से छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय से जल्द परीक्षा आयोजित कर शैक्षणिक सत्र को नियमित करने की मांग की।

श्री आनंदम भवन के द्वितीय चरण के निर्माण का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री महेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री आनंदम भवन के द्वितीय चरण के नवीन निर्माण कार्य का शुभारंभ बायपास पर तेजाजी नगर स्थित परिसर में विधि-विधान के साथ हुआ। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति जितेंद्र माहेश्वरी, अनुष्ठान लखन पवन लड्ढा परिवार, केदारमल जाखेटिया, दिलीप तोतला ने सपत्नीक वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन एवं निर्माण अनुष्ठान संपन्न कराया। जस्टिस जितेन्द्र महेश्वरी ने इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में रामचरितमानस की चौपाई "ईश्वर अंश जीव अविनाशी" से अपनी बात रखते हुए कहा की मानव में सकारात्मक सोच है तो उस थोड़े प्रयास से अपनी परिस्थिति बदल सकता है वह जीवन को अमन, सहज व सुखद बना सकता है ।

बाणेश्वरी कावड़ यात्रा इस बार 3 अगस्त से, 3 हजार से अधिक श्रद्धालु होंगे शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 'बाणेश्वरी कावड़ यात्रा' इस बार रविवार 2 अगस्त को इंदौर से दोपहर 1 बजे बस द्वारा महेश्वर और वहां से सोमवार, 3 अगस्त को सुबह 7 बजे मां नर्मदा के दुग्धाभिषेक एवं चुनरी समर्पण के बाद महाकालेश्वर उज्जैन के लिए प्रस्थित होगी। कावड़ यात्रा का समापन उज्जैन में सोमवार 10 अगस्त को सुबह 4 बजे भगवान महाकालेश्वर के जलाभिषेक के साथ होगा। इस बार भी यात्रा में तीन हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल होंगे। यात्रा का यह 24वां वर्ष होगा। इस बार पर्यावरण एवं जल संरक्षण को बढ़ावा देने के आयोजन भी रात्रि विश्राम वाले स्थानों पर होंगे। सांवेर रोड स्थित

मौनी बाबा आश्रम पर आयोजित बैठक में यात्रा संयोजक विधायक गोलू शुक्ला ने उक्त यात्रा कार्यक्रम की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 2 अगस्त को मरीमाता चौराहे से दोपहर 1 बजे बस द्वारा महेश्वर और वहां से 3 अगस्त को सुबह 7 बजे कावड़ पदयात्रा का शुभारंभ होगा। यात्रा 3 अगस्त की शाम को गुजरी, 4 को मानपुर, 5 को महू, 6 को इंदौर, 7 को नगर भ्रमण के बाद रेवतीरेंज, 8 को पंथपिपलई और 9 को उज्जैन पहुंचकर रात्रि विश्राम के बाद 10 अगस्त को सुबह 4 बजे भगवान महाकालेश्वर के जलाभिषेक और उनसे प्रदेश में सुख, शांति एवं समृद्धि के साथ ही सुखद वर्षा की प्रार्थना के साथ यात्रा का समापन होगा। यात्रा के लिए पंजीयन की प्रक्रिया मरीमाता चौराहा स्थित कार्यालय पर नियमित रूप से चल रही है।

दिल से काम करोगे तो, लोगों के दिलों पर राज करोगे - राजेश सोलंकी

2047 विकसित भारत का रोड मैप तैयार, उसमे सहभागी बने कार्यकर्ता - शंकर लालवानी

डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम में भले ही इंदौर नंबर वन लेकिन बूथ के प्रत्येक कार्यकर्ता को प्रशिक्षित करे - सुमित मिश्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●भाजपा की मासिक बैठक सांसद शंकर लालवानी, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, नगर प्रभारी राजेश सोलंकी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, मधु वर्मा, पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, गोपीकृष्ण नेमा, जीतू जिराती, अजा मोर्चा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सूरज केरो, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी आलोक दुबे, प्रदेश प्रवक्ता वैभव शुक्ला, राकेश सिंह यादव की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए नगर प्रभारी राजेश सोलंकी ने कहा कि मासिक बैठक में हमें संगठन के कार्य के साथ साथ कार्यकर्ताओं की चिंता भी करनी चाहिए, अच्छा कार्यकर्ता वही है जो संगठन के कार्यों को मतदान केंद्रों तक ले जाकर संगठन का विस्तार तो करता ही है, लेकिन कार्यकर्ताओं की चिंता भी करता हैं। इसलिए संगठन जो भी जवाबदारी दे, उसे पूरा तो करे, लेकिन कार्यकर्ताओं के सुख दुख में, विपत्ति के समय भी खड़े रहेंगे तो वह कार्यकर्ता पूरी ताकत से संगठन को सशक्त करने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि जो दिल से काम करता हैं वही लोगों के दिलों पर राज करता हैं। इसलिए लोगों के दिल को जीतने का काम करे, बूथों पर प्रवास करेंगे और लोगों के काम करेंगे तो निश्चित रूप से लोगों के दिलों पर राज करोगे।

देवास में युवक पर तलवार से हमला

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● शांति नगर क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर दिनदहाड़े एक युवक पर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया गया। पुरानी रंजिश के चलते हुई इस वारदात में 38 वर्षीय नितेश गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया। घायल को जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। इसका वीडियो भी सामने आया है। नितेश अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान दुर्गेश वहां पहुंचा और बिना किसी बातचीत के तलवार से लगातार कई वार कर दिए। अचानक हुए हमले से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गया। हमले में नितेश गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमले के बाद की स्थिति दिखाई दे रही है।

किसानों को फसल बीमा में राहत, नुकसान हुआ तो धान में 10 फीसदी

भोपाल (एजेंसी) ● खरीफ फसल के लिए बीमा कराने वाले किसानों को अब नुकसान की भरपाई पहले से ज्यादा मिलेगी। सरकार ने बीमित राशि बढ़ा दी है। यदि अब नुकसान होता है तो धान में 10%, मक्का में 7 फीसदी और सोयाबीन में 5 प्रतिशत तक क्लेम की राशि बढ़कर मिल सकती है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए सरकार ने जिलेवार फसलों की बीमित राशि अधिसूचित कर दी है। इस बार सरकार ने खरीफ फसल के लिए धान में 4100, मक्का में 2350 और सोयाबीन में 3910 रुपये प्रति हेक्टेयर तक बीमित राशि में इजाफा किया है। हालांकि बीमित राशि में इजाफा होने से प्रीमियम भी थोड़ा बढ़ जाएगा। कर्जदार किसानों के लिए वैसे तो फसल बीमा अनिवार्य है। फिर भी यदि कर्जदार किसान बीमा नहीं कराना चाहते है, तो बैंक में इसकी उन्हें लिखित सूचना देना होगी। वहीं गैर-कर्जदार किसानों के पास विकल्प है कि वे बीमा लें या न लें। खरीफ फसलों के लिए बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। आगरमालवा में मक्का की थ्रेशोल्ड उपज 40 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है। एक किसान की फसल 40 क्विंटल की जगह सिर्फ 30 क्विंटल निकली। साल 2025 में बीमित राशि 34650 रु. थी, तो इस नुकसान पर किसान को 8663 रु. का क्लेम मिला था। इस साल बीमित राशि बढ़ाकर 37 हजार रु. कर दी गई है।

अब अगर उतनी ही उपज होती है यानी फिर से 30 क्विंटल निकलती है, तो किसान को 9250 रु. का क्लेम मिलेगा। क्लेम निकालने का तरीका ये है कि तय उपज (थ्रेशोल्ड उपज) में से किसान खेत की निकली फसल को घटाया जाता है। फिर उसे थ्रेशोल्ड उपज से भाग देकर जो अनुपात बनता है, उतने हिस्से का पैसा बीमित राशि से गुणा कर क्लेम तय होता है।

सागर में धान असिंचित की बीमित राशि में इस साल 1610 रुपये प्रति हेक्टेयर का इजाफा हुआ है। इसलिए यहां बीमा क्लेम 322 रुपये तक बढ़कर मिल सकता है।

2025 में नुकसान होने पर 6238 रुपये प्रति हेक्टेयर क्लेम मिलता जो अब 6560 रुपये मिलेगा। इसी तरह दतिया में सोयाबीन की बीमित राशि में इस साल 1750 रुपये प्रति हेक्टेयर का इजाफा हुआ है। इसलिए यहां बीमा क्लेम 467 रुपये तक बढ़कर मिल सकता है।

श्री भावसार समाज इंदौर ने किया मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री भावसार समाज इंदौर द्वारा आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में समाज के कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का प्रशस्ति-पत्र, स्मृति-चिन्ह एवं सम्मान राशि देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज एवं देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षाविद इंजीनियर श्री शरदजी भाटिया थे। विशिष्ट अतिथियों में महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी सुनील भावसार युवा परिषद प्रदेश अध्यक्ष अजय भावसार एवं प्रांतीय अध्यक्ष विपिन भावसार उपस्थित रहे।

संस्कृति, सभ्यता और सेवा परोपकार, जीव दया का संवाहक जैन धर्म

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ के परम सानिध्य में त्रिदिवसीय संगोष्ठी में श्री दिगम्बर जैन उदासीन आश्रम ट्रस्ट कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ द्वारा आयोजित कालजयी विरासत, समकालीन विमर्श और श्रमण भविष्य की रूपरेखा' के तृतीय सत्र का शुभारंभ आज सोमवार को हुआ। इस आयोजन में मुख्य वक्ता डॉ.नलिन के शास्त्री नई दिल्ली ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया और विषय को संदर्भित करते हुए प्राकृत भाषा के महत्व को बताया। संगोष्ठी में अंतर्मुखी मुनि पूज्यसागर जी महाराज, मुनि श्री संबुद्धि सागर जी आचार्य विप्रणीत सागर महाराज सहित आचार्य श्री संघ, आर्यिका संघ आदि का परम सानिध्य मिला।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रार्टी व्यवसाय से जुड़े है या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

लाडकी बहिन योजना: पात्र से अपात्र कैसे हुईं लाखों महिलाएं?

कोई भी सरकारी योजना शुरू करने से पहले लाभार्थियों को केंद्र में रखकर उसके लिए नियम-शर्तें तय की जाती हैं। इसी आधार पर पात्र लोगों का चयन कर संबंधित योजना का लाभ उन तक पहुंचाया जाता है। मगर किसी योजना को चुनाव से ठीक पहले लागू किया जाए और उसी सरकार के फिर से राज्य में कमान संभालने के बाद अगर बड़ी संख्या में लोगों को पात्रता की सूची से बाहर कर दिया जाए, तो उस पर सवाल उठना स्वाभाविक है। महाराष्ट्र में भी कुछ ऐसा ही हुआ है। खबरों के मुताबिक, राज्य सरकार ने 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' से नब्बे लाख से ज्यादा महिलाओं को बाहर कर दिया है। यानी इन महिलाओं को पहले इस योजना का लाभ दिया जा रहा था, लेकिन अब वे या तो पात्रता के मानदंडों को पूरा नहीं कर पाई हैं या फिर ई-केवाईसी प्रक्रिया को पूरा न कर पाने की वजह से उनका नाम सूची से हटा दिया गया है। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या इस योजना में नई नियमावली जोड़ी गई है! अगर ऐसा नहीं है, तो फिर क्या वजह है कि जो महिलाएं पहले पात्र थीं, अब वे अपात्र हो गई हैं? गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार ने विधानसभा चुनावों से कुछ समय पहले जून, 2024 में इस योजना को मंजूरी दी थी। इसके तहत 21 से 65 वर्ष की आयु की पात्र महिलाएं प्रति माह डेढ़ हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकती हैं। इस योजना में राज्य की 2.4 करोड़ महिलाओं को शामिल किया गया था। मगर अब फिर से सत्तासीन हुई महायुति सरकार ने ई-केवाईसी प्रक्रिया के तहत लाखों महिलाओं के नाम इस योजना से बाहर कर दिए हैं। सवाल है कि शुरू में इन महिलाओं को किस आधार पर पात्र घोषित किया गया था? क्या तब दस्तावेजों की जांच सही ढंग से नहीं की गई थी या फिर इसके पीछे इससे चुनावी लाभ उठाने की मंशा थी? हालांकि सरकार का दावा है कि पचास से पचपन लाख महिलाएं तय समय सीमा में ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाई। मगर इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कम शिक्षित और विशेष रूप से ग्रामीण महिलाएं ई-केवाईसी की बारीकियों को नहीं समझ पाती हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि इस कार्य में उनकी सहायता के लिए पर्याप्त बंदोबस्त किए जाएं। राज्य सरकार के मुताबिक, लगभग बारह लाख महिलाओं की वार्षिक पारिवारिक आय इस योजना की निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई। जबकि पैंतालीस लाख से अधिक महिलाएं पैंसठ वर्ष की ऊपरी आयु सीमा को पार कर चुकी थीं। हैरत की बात तो यह है कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार करीब चौदह हजार पुरुष भी महिला बनकर इस योजना का लाभ ले रहे थे, जिन्हें अब बाहर कर दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकारी योजनाओं में पात्रता मानदंडों की जांच में किस कदर लापरवाही बरती जाती है।

लॉर्ड्स में लिखा भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्णिम इतिहास

क्रिकेट की दुनिया में यदि किसी मैदान को खेल का तीर्थ कहा जाए, तो वह लॉर्ड्स है। यहां जीत केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि सर्वोच्च गौरव का प्रतीक मानी जाती है। इसी ऐतिहासिक धरती पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऐसा स्वर्णिम इतिहास रचा, जिसने केवल रिकॉर्ड नहीं बदले, बल्कि विश्व क्रिकेट की सोच को भी नई दिशा दी। इंग्लैंड जैसी सशक्त टीम को 270 रनों के विशाल अंतर से पराजित कर भारतीय शेरनियों ने साबित कर दिया कि महिला क्रिकेट अब संभावनाओं का नहीं, उत्कृष्टता का पर्याय बन चुका है। यह जीत महज एक टेस्ट मुकाबले की सफलता नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, अथक परिश्रम, अटूट विश्वास और निरंतर साधना का प्रतिफल है। इस ऐतिहासिक क्षण ने करोड़ों भारतीयों के हृदय को गर्व से भर दिया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अमिट अध्याय लिख दिया। शुरुआत से ही भारतीय टीम ने मैच पर अपना वर्चस्व स्थापित कर दिया था। गेंदबाजों ने इंग्लैंड की मजबूत बल्लेबाजी को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। खासकर भारतीय स्पिन आक्रमण ने अपनी सटीकता और विविधता से मेजबान बल्लेबाजों को पूरी तरह जकड़ लिया। हर विकेट के साथ भारत का आत्मविश्वास बढ़ता गया और इंग्लैंड का प्रतिरोध कमजोर पड़ता गया। बल्लेबाज़ी में स्मृति मंधाना की उपयोगी पारी और यस्तिका भाटिया के शानदार शतक (113) ने मजबूत आधार तैयार किया, जबकि मध्यक्रम की महत्वपूर्ण साझेदारियों (ऋचा घोष की नाबाद 50 रन की पारी सहित) ने बढ़त को निर्णायक बना दिया। बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का संतुलन दिखाया, वहीं गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन से साबित कर दिया कि भारतीय महिला टीम अब हर विभाग में परिपक्व, संतुलित और किसी भी चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार है।

जीत को इतिहास में बदलने का क्षण चौथे दिन आया। भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लैंड की दूसरी पारी को मात्र 186 रनों पर समेटकर 270 रनों की ऐतिहासिक विजय पर मुहर लगा दी। यह सफलता किसी एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि सामूहिक समर्पण, सटीक रणनीति और अनुशासित खेल की जीत थी। हर खिलाड़ी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई, जो टीम की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी। कप्तान की सूझबूझ, गेंदबाजों का प्रभावी उपयोग, सटीक क्षेत्ररक्षण और शानदार तालमेल ने इंग्लैंड को पूरे मैच में दबाव में रखा। मानसिक दृढ़ता और तकनीकी श्रेष्ठता के बल पर भारतीय टीम हर मोर्चे पर मेजबानों पर भारी रही। इस प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि भारतीय महिला टीम अब दुनिया की किसी भी मजबूत टीम को उसकी सरज़मीं पर हराने का दम रखती है। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाली क्रांति गौड़ के 5/37 (पहली पारी) और स्नेह राणा के 4 विकेट (दूसरी पारी) ने इंग्लैंड को चित किया।

इस जीत का सबसे गौरवपूर्ण पक्ष यह रहा कि भारतीय महिला टीम ने पहली बार लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट जीत का परचम लहराया। भारतीय पुरुष टीम इस मैदान पर कई यादगार सफलताएं हासिल कर चुकी है, लेकिन अब भारतीय शेरनियों ने भी अपने प्रदर्शन से यहां अमिट पहचान बना ली। यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष, मेहनत और अर्जित आत्मविश्वास की सशक्त अभिव्यक्ति है। इंग्लैंड की सरज़मीं पर मेजबान टीम को इस अंदाज़ में हराना बताता है कि भारतीय महिला क्रिकेट अब विदेशी परिस्थितियों में भी उतना ही मजबूत और निडर है। इस विजय ने विश्व क्रिकेट को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की महिला टीम अब केवल चुनौती स्वीकार नहीं करती, बल्कि नए मानक गढ़ने के इरादे से मैदान में उतरती है।

भारतीय महिला क्रिकेट की यह उपलब्धि उन संघर्षपूर्ण दिनों की याद भी दिलाती है, जब सीमित संसाधनों, कम अवसरों और उपेक्षा के बीच खिलाड़ियों ने अपने हौसले को जीवित रखा। आज वही संघर्ष विश्व मंच पर सम्मान बनकर चमक रहा है। स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और यस्तिका भाटिया जैसी खिलाड़ियों ने केवल व्यक्तिगत उपलब्धियां ही नहीं, बल्कि टीम भावना से सामूहिक सफलता की नई मिसाल भी कायम की। आपसी विश्वास और एकजुटता ने हर चुनौती को अवसर में बदल दिया। यह जीत उन हजारों बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो छोटे शहरों, गांवों और साधारण मैदानों से भारत की जर्सी पहनने का सपना देखती हैं। भारतीय शेरनियों ने सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा, परिश्रम और अटूट संकल्प के सामने कोई बाधा टिक नहीं सकती।

इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय केवल खिलाड़ियों को नहीं जाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा महिला क्रिकेट को बेहतर सुविधाएं, प्रतियोगिताएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की पहल ने इस बदलाव की मजबूत नींव रखी है। खेलों को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों ने भी खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाया है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई दे रहे हैं। फिर भी यह मंजिल नहीं, बल्कि नई शुरुआत है। आगे विश्व कप, एशिया कप और द्विपक्षीय श्रृंखलाओं जैसी कठिन परीक्षाएं इंतजार कर रही हैं। इसलिए इस जीत को निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन में बदलना ही सबसे बड़ी चुनौती होगी। यदि यही समर्पण, अनुशासन और टीम भावना कायम रही, तो भारतीय महिला क्रिकेट विश्व की अग्रणी ताकत बनने से कोई नहीं रोक सकेगा। लॉर्ड्स की यह जीत भारतीय खेल जगत का ऐसा स्वर्णिम अध्याय है, जिसे समय कभी धूमिल नहीं कर सकेगा। जब भी कोई युवा खिलाड़ी कठिनाइयों से निराश होगा, यह मुकाबला उसे साहस, धैर्य और आत्मविश्वास की नई प्रेरणा देगा। भारतीय शेरनियों ने साबित कर दिया कि प्रतिभा का मूल्य अवसर से तय होता है, लिंग से नहीं। यह केवल क्रिकेट की जीत नहीं, बल्कि समान अवसर, महिला सशक्तिकरण और बड़े सपनों की बुलंद उड़ान का प्रतीक है। इंग्लैंड पर 270 रनों की यह प्रचंड विजय वर्षों तक भारतीय क्रिकेट की प्रेरक पहचान बनी रहेगी। लॉर्ड्स से गूंजी यह गाथा दुनिया को बता गई कि भारतीय महिला क्रिकेट अब इतिहास का हिस्सा भर नहीं, बल्कि नया इतिहास गढ़ने वाली ताकत बन चुका है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

श्री चैतन्य महाप्रभु और जगन्नाथजी की रथयात्रा

पिछले पांच सौ वर्षों से जिस एक नाम की गूंज बंगाल की गलियों से लेकर वृंदावन की कुंज गलियों तक और पुरी के समुद्र तट से लेकर विश्व भर में सुनाई दे रही है, वह है 'हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे, हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे'। इस महामंत्र और हरिबोल संकीर्तन को घर-घर तक पहुंचाने वाले संत थे श्री गौरांग महाप्रभु, जिन्हें जगत श्री चैतन्य महाप्रभु के रूप में पूजता है।

वैष्णव परंपरा में अवतारी पुरुष और समाज को नई - दिशा देने वाले संत को महाप्रभु कहा जाता है। जैसे श्रीमद् वल्लभाचार्य जी महाराज वल्लभ महाप्रभु कहलाए, उसी तरह बंगाल के नदिया में जन्मे विश्वम्भर अपने दूध जैसे गौर वर्ण के कारण गोरा और गौरांग नाम से पुकारे गए। संन्यास लेने के बाद उनका नाम श्रीकृष्ण चैतन्य पड़ा, पर लोक में वे चैतन्य महाप्रभु बनकर अमर हो गए। शरीर पर न जनेऊ का बोझ, न पंडिताई का अहंकार। सिर पर शिखा, गले में तुलसी की माला, हाथ में करताल और मुख पर कृष्ण नाम। ढोलक-मंजीरे की थाप पर वे नाचते, गाते और रोते थे। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर ब्राह्मण भी चलता था और चांडाल भी। महाप्रभु ने पहली बार समाज को यह पाठ पढ़ाया कि ईश्वर के दरबार में कोई छोटा-बड़ा नहीं होता। उनका एक ही सूत्र था: जेई भजे सेई बड़ो, अभक्त हीन छार। कृष्ण भजने नाहि जाति-कुल विचार॥ अर्थात जो भगवान को भजता है वही श्रेष्ठ है, शेष सब व्यर्थ है।

इसी भाव को लेकर वे बंगाल से निकले। झारखंड के जंगलों को पार करते हुए वे श्रीजगन्नाथपुरी पहुंचे। वहां से फिर बंगाल लौटे और नाम संकीर्तन करते-करते वृंदावन की धूल छान आए। वृंदावन में उन्होंने लुप्त हो चुके कृष्ण के लीला स्थलों को फिर से जीवित किया। बंगाल का विष्णुपुर और बांकुड़ा उनके प्रभाव से द्वितीय वृंदावन बन गया। नदिया गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा। पुरी में उन्होंने अगले बारह वर्ष बिताए। यहीं रहकर उन्होंने भगवान जगन्नाथ के महात्म्य को जन-जन तक पहुंचाया। उनके मुख से निकला वाक्य आज भी पुरी में गूंजता है: *जगन्नाथ का भात, जगत पसारे हाथ। जगन्नाथ का भात, जगत उठाए हाथ। नंगी भूमि पर बैठकर खात, पूछत न जात-पात।* यानी जगन्नाथ का प्रसाद पाने के लिए पूरी दुनिया हाथ फैलाती है और उसे पाने के लिए कोई जाति नहीं पूछी जाती। पर महाप्रभु की इससे भी मर्मस्पर्शी लीला जुड़ी है पुरी की रथयात्रा से। आषाढ़ के दिन जब जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा रथ पर सवार होकर गुंडिचा मंदिर जाते हैं, तो महाप्रभु प्रेम में पागल हो जाते थे। वे रथ के आगे नाचते, संकीर्तन करते और आंसुओं से रथ की धूल भिगो देते। गौड़ीय परंपरा मानती है कि महाप्रभु स्वयं कृष्ण के अवतार थे, इसलिए जब वे नाचते तो रथ भी रुक जाता।

पुरी के वृद्ध आज भी एक कथा सुनाते हैं। एक बार महाप्रभु भावातिरेक में मूर्छित होकर गिर पड़े। उनका सारा शरीर पसीने से लथपथ था और मुख से बस 'कृष्ण-कृष्ण' निकल रहा था। सेवकों ने उठाना चाहा पर वे नहीं उठे। उसी क्षण जगन्नाथ का विशाल रथ भी बीच बाजार में थम गया। हजारों लोगों ने जोर लगाया, पर रथ एक इंच भी नहीं हिला। जैसे ही महाप्रभु को होश आया और उन्होंने फिर कीर्तन छेड़ा, रथ अपने आप चल पड़ा। उस दिन सबने मान लिया कि भगवान भक्त के प्रेम के अधीन हैं।

-**अंजनी सक्सेना**-विनायक फीचर्स

आंचलिक

टकरावदा में सीसी रोड़ निर्माण में लाखों रुपए का विकास कीचड़ में

अजय नलवाया
धार • दैनिक इंदौर संकेत

टकरावदा- ग्राम पंचायत टकरावदा में विकास के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। गांव के मुख्य मोहल्लों में नालियों का निर्माण नहीं होने के कारण ग्रामीण नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। जलभराव के चलते लाखों रुपए की सरकारी लागत से बनी सीमेंट कंक्रीट (सीसी) सड़क पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो चुकी है। पानी की निकासी न होने से यह मजबूत सड़क अब धीरे-धीरे जर्जर होकर टूट रही है, जिससे सरकारी धन का भी दुरुपयोग हो रहा है।रास्ता बंद होने पर ग्रामीणों ने खुद उठाया कदमसड़क पर हर समय पानी जमा रहने और घुटनों तक कीचड़ होने के कारण ग्रामीणों का पैदल चलना भी दूभर हो गया था। जब ग्राम पंचायत स्तर पर कोई सुनवाई नहीं हुई, तो परेशान ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से कदम उठाया। आने-जाने का रास्ता चालू रखने के लिए ग्रामीणों को मजबूरन इस पक्की सीसी रोड के ऊपर खुद मुरुम (मिट्टी-पत्थर) डलवाना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि पक्की सड़क पर मुरुम डालना पंचायत की कार्यप्रणाली पर सीधा तमाचा है।मच्छरों का आतंक, फैल सकती है महामारीमोहल्लों के बीचों-बीच हो रहे जलभराव के कारण बदबू और गंदगी का साम्राज्य फैल गया है। इस ठहरे हुए दूषित पानी में भारी मात्रा में मच्छर पनप रहे हैं। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि अगर जल्द ही पंचायत स्तर पर साफ-सफाई और नाली निर्माण का कार्य शुरू नहीं किया गया, तो गांव में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी जानलेवा बीमारियां पैर पसार लेंगी। जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यानस्थानीय निवासियों का आरोप है कि ग्राम पंचायत प्रशासन को इस समस्या से कई बार अवगत कराया जा चुका है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस गंभीर जनसमस्या की ओर आंखें मूंदे बैठे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि टकरावदा गांव का निरीक्षण कर जल्द से जल्द नाली निर्माण की स्वीकृति दी जाए ताकि इस समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय धार में सुविधाओं के विस्तार हेतु रोगी कल्याण समिति की बैठक ली, महत्वपूर्ण कार्यों को मिली मंजूरी

अजय नलवाया
धार • दैनिक इंदौर संकेत

कलेक्टर राजीव रंजन मीना की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में रोगी कल्याण समिति की महत्वपूर्ण कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाना तथा आधारभूत संरचनाओं का विस्तार करना था। बैठक की शुरुआत पिछली कार्ययोजना के पालन प्रतिवेदन की विस्तृत समीक्षा के साथ हुई। बैठक के दौरान चिकित्सालय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। वर्षा ऋतु को देखते हुए जिला चिकित्सालय में टिन शेड निर्माण और वाटर प्रूफिंग का कार्य कराने की अनुमति दी गई ताकि मरीजों और उपकरणों को सुरक्षित रखा जा सके। इसके साथ ही, एस.एन.सी.यू (SNCU) एवं अस्पताल के अन्य विभागों में सुचारू जल निकासी सुनिश्चित करने के लिए ड्रेनेज संबंधी मरम्मत कार्यों को भी मंजूरी प्रदान की गई। मरीजों के परिजनों की सुविधा हेतु पोस्टमार्टम कक्ष के बाहर स्थित प्रतीक्षालय के जीर्णोद्धार, मरम्मत और रंगाई-पुताई कराने का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त, बैठक में शस्त्र लाइसेंस से संबंधित उपभोक्ता शुल्क में वृद्धि के प्रस्ताव पर भी मुहर लगाई गई।

इस बैठक में जिलाधीश श्री राजीव रंजन मीणा के साथ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन, कार्यपालन यंत्री (लोक निर्माण विभाग), महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला जनसंपर्क अधिकारी, वरिष्ठ चिकित्सकगण तथा सहायक अस्पताल प्रबंधक सहित आर.के.एस. के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। समिति ने सभी पारित कार्यों को समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

थाना राजगढ़ पुलिस की त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई

8 माह की मासूम बच्ची को सुरक्षित उसकी माँ के सुपुर्द किया गया

अजय नलवाया
धार • दैनिक इंदौर संकेत

13 जुलाई को फरियादिया पूजा पति सुरेश अजनार, जाति भील द्वारा थाना राजगढ़ में उपस्थित होकर मौखिक रूप से फरियाद की गई कि वह अपने मायके धार क्षेत्र में चली गई है एवं उसका पति सुरेश अजनार द्वारा अपनी 8 माह की पुत्री को अपने पास ग्राम खजूरखो, थाना राजगढ़ क्षेत्र में रखा हुआ था।

शिकायत प्राप्त होते ही थाना राजगढ़ पुलिस ने तत्काल संवेदनशीलता एवं तत्परता से कार्रवाई करते हुए ग्राम खजूरखो पहुंचकर बच्ची को सुरक्षित अभिरक्षा में लिया तथा विधिसम्मत प्रक्रिया का पालन करते हुए 8 माह की मासूम बच्ची को उसकी माँ पूजा के सुपुर्द किया।

इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक श्री समीर पाटीदार, उप निरीक्षक श्री निहाल सिंह दंडोतिया, सुश्री जूली अमलियार एवं प्रधान आरक्षक श्री नीरज मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

धार पुलिस का संदेश

'जनसुरक्षा एवं महिलाओं-बच्चों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा या प्रताड़ना की सूचना तत्काल पुलिस को दें।'

वनभूमि बेदखली के विरोध में सर्व आदिवासी समाज का प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • वनभूमि से अतिक्रमण हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई के विरोध में सोमवार को खंडवा में सर्व आदिवासी समाज के बैनर तले बड़ा प्रदर्शन हुआ। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग रैली निकालकर शहर पहुंचे। इसके बाद स्टेडियम ग्राउंड में सभा कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने 'कलेक्टर तेरी तानाशाही नहीं चलेगी' सहित कई नारे लगाए। उन्होंने वनभूमि से बेदखली की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। आंदोलन में शामिल समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि वे भिलाईखेड़ा के प्रभावित परिवारों के समर्थन में एकजुट होकर पहुंचे हैं। उनका आरोप है कि वनाधिकार अधिनियम, 2006 के तहत पात्र परिवारों के दावों का निराकरण किए बिना प्रशासन बेदखली की कार्रवाई कर रहा है, जो कानून की भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि जब तक सभी दावों का निष्पक्ष और कानूनी तरीके से निपटारा नहीं हो जाता, तब तक किसी भी परिवार को वनभूमि से नहीं हटाया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आदिवासी समुदाय पीढ़ियों से जंगलों में रह रहा है। जल, जंगल और जमीन पर उनके पारंपरिक और वैधानिक अधिकार हैं। उन्होंने प्रशासन से वनाधिकार अधिनियम के प्रावधानों का पालन करते हुए आदिवासियों के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों का सम्मान करने की मांग की।

ई-टोकन के बिना खाद की कालाबाजारी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • हरसूद विकासखंड में यूरिया खाद की कथित कालाबाजारी और स्टॉक में बड़ी अनियमितता का मामला सामने आया है। कृषि विभाग की जांच के बाद छनेरा स्थित मेसर्स इनफिनिटी एग्रो के संचालक आयुष पांडे के खिलाफ हरसूद थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने उर्वरक (नियंत्रण) आदेश और आवश्यक वस्तु अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उर्वरक निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी गोरेलाल वास्कले ने बताया कि 8 जुलाई को सहायक संचालक कृषि जितेंद्र सिंह रावत और अन्य अधिकारियों ने दुकान का निरीक्षण किया था। जांच के दौरान ऑनलाइन रिकॉर्ड, पीओएस मशीन और गोदाम में मौजूद वास्तविक स्टॉक में बड़ा अंतर मिला। जांच रिपोर्ट के आधार पर 11 जुलाई को हरसूद थाने में शिकायत दी गई, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि पीओएस मशीन में विभिन्न कंपनियों की 3,828 बैग यानी 172.26 मीट्रिक टन यूरिया का स्टॉक दर्ज था, जबकि गोदाम में एक भी बैग नहीं मिला। वहीं, मध्यप्रदेश शासन की ई-विकास प्रणाली में 4,318 बैग यानी 194.31 मीट्रिक टन यूरिया का स्टॉक दर्ज था। डिजिटल रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में बड़ा अंतर पाया गया।

भारत-इंग्लैंड वनडे सीरीज आज से

नई दिल्ली (एजेंसी) • विराट कोहली और रोहित शर्मा को इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में न केवल खुद के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा, बल्कि टी-20 में लगातार हार से आहत भारतीय टीम के मनोबल को बढ़ाने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। कोहली, रोहित और बुमराह उस प्रारूप में खेलने के लिए वापसी कर रहे हैं, जिसमें द्विपक्षीय मैचों का महत्त्व और चमक टी-20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के चलते खोती जा रही है, लेकिन 39 वर्षीय रोहित और जल्द 38 वर्ष के होने वाले कोहली में अब भी जोश और जुनून बरकरार है। वह अब भी वनडे की सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों में शामिल हैं और उनका लक्ष्य अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक टीम में बने रहना है। उपमहाद्वीप की पिचों की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण पिचों पर जोफ्रा आर्चर और जोश टंग जैसे सटीक गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाजों का सामना करना एक अलग ही चुनौती है।

द्रविड़ बन सकते हैं इंग्लैंड की टेस्ट टीम के मुख्य कोच

लंदन (एजेंसी) • राहुल द्रविड़ अब इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच बन सकते हैं। ब्रैंडन मैकुलम को टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हटाए जाने के बाद से ही नये कोच के लिए अटकलें लगायी जाने लगी हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 1-2 की करारी हार के बाद से ही इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ब्रैंडन मैकुलम को पद से हटाने का फैसला किया है हालांकि वह सीमित ओवरों के लिए मुख्य कोच बने रहेंगे। उनकी आक्रामक क्रिकेट की बैजबॉल रणनीति टेस्ट में असफल रही है। इसी को देखते हुए बोर्ड ने उन्हें हटाने का फैसला किया है। ईसीबी का मानना है कि अगले साल होने वाली प्रतिष्ठित एशेज सीरीज से पहले टीम में बदलाव के लिए यह जरुरी है। गौरतलब है कि मैकुलम के चार साल के कार्यकाल के दौरान इंग्लैंड ने कुल 49 टेस्ट मैच खेले, जिनमें से टीम को 27 में जीत और 20 में हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान इंग्लैंड का प्रदर्शन घरेलू मैदानों पर तो शानदार रहा, लेकिन विदेशी पिचों पर टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा, जहां भारत (2023-24) और पाकिस्तान (2024-25) के दौरों पर मिली शर्मनाक सीरीज हार ने उनके बैजबॉल रणनीति को फेल कर दिया।

फीफा सेमीफाइनलः मेसी पहली बार इंग्लैंड का मुकाबला करेंगे

अटलांटा (एजेंसी) • फीफा विश्वकप फुटबॉल के सेमीफाइनल में गुरुवार 15 जुलाई को फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में अर्जेंटीना का मुकाबला फ्रांस से होगा। इस मैच में सभी की नजरें अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी पर रहेंगी। इसका कारण है कि कि मेसी पहली बार इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे, इस मैच में जीत के साथ ही दोनो ही टीमें फाइनल में पहुंचना चाहेंगी। अपने दो दशक से अधिक लंबे शानदार करियर में मेसी ने फुटबॉल जगत की लगभग हर दिग्गज टीम के खिलाफ खेला है पर इंग्लैंड के के खिलाफ वह कभी नहीं उतर हैं।

स्विट्जरलैंड पर जीत के बाद ही मेसी ने इस मुकाबले को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा, सच कहूं तो यह बहुत खास है। मैंने इंग्लैंड के अलावा लगभग हर बड़ी टीम के खिलाफ खेला है। इंग्लैंड एक मजबूत और बड़ी टीम है। ऐसे मुकाबले, खासकर विश्व कप सेमीफाइनल में खेलना हमेशा ही एक अलग और रोमांचक होता है। मेसी ने अब तक ब्राजील, उरुग्वे, जर्मनी, इटली, स्पेन और फ्रांस जैसी विश्व चैंपियन टीमों के खिलाफ कई यादगार मैच खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी है पर इंग्लैंड ही एकमात्र ऐसी बड़ी फुटबॉल शक्ति रही जिसके खिलाफ वह कभी नहीं उतरे।

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना का सेमीफाइनल तक का सफर भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं रहा है। क्वार्टरफाइनल में उन्होंने स्विट्जरलैंड को अतिरिक्त समय में 3-1 से मात देकर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की। इस मैच में मेसी ने एलेक्सिस मैक एलिस्टर के गोल में शानदार असिस्ट दिया, जबकि जूलियन अल्वारेज़ और लाउतारो मार्टिनेज ने भी गोल दागे। मेसी ने स्वीकार किया, हम लगातार दबाव में खेल रहे हैं और इसका असर खिलाड़ियों पर पड़ा है। लेकिन टीम पूरी तरह तैयार है और अब तक जिस तरह खेली है, उसी अंदाज में आगे भी मुकाबला करेगी। वहीं इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच इससे पहले 2002 फीफा विश्व कप में टक्कर हुई थी तब इंग्लैंड ने 1-0 से जीत दर्ज की थी।

नीरू बाजवा फिल्म 'सतलुज' को ओटीटी से हटाए जाने से है निराश

मुंबई (एजेंसी) • पंजाबी फिल्मों की अभिनेत्री नीरू बाजवा ने दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज को ओटीटी प्लेटफॉर्म से हटाए जाने पर गहरी निराशा जताई है। नीरू बाजवा ने इस फैसले को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि दर्शकों को यह चुनने का हक है कि वे किसी फिल्म का समर्थन करना चाहते हैं या उसकी आलोचना करना चाहते हैं, और उन्हें यह जानने का भी हक है कि फिल्म को अचानक ओटीटी प्लेटफॉर्म से क्यों हटाया गया। नीरू ने अपने इंस्टाग्राम पर एक सशक्त पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, मैंने सतलुज देखी, भावनाएं निश्चित रूप से जागृत हुईं। एक फिल्म मनोरंजन से कहीं बढ़कर है। यह उसके निर्माताओं की आवाज, उनका जुनून, उनका सच और बरसों की कड़ी मेहनत है। किसी के पास भी बिना जवाबदेही के उसे दबाने की ताकत नहीं होनी चाहिए। उनका यह बयान कलात्मक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आज़ादी के महत्व पर जोर देता है। उन्होंने आगे कहा कि लोग किसी फिल्म का समर्थन करें या उसकी आलोचना करें, यह उनका व्यक्तिगत फैसला होना चाहिए। दर्शकों से यह विकल्प छीनना गलत है। हमें इसे देखने, खुद सोचने और यह तय करने का हक है कि हमारे लिए इसका क्या मतलब है। यह टिप्पणी जनता के सूचना के अधिकार और व्यक्तिगत राय बनाने की स्वतंत्रता पर केंद्रित थी। नीरू बाजवा ने स्पष्टीकरण की मांग करते हुए कहा, अगर सतलुज को हटाया गया है तो जनता को सच्चाई जानने का हक है।

सना की पहली फिल्म 'प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट' का ड्राफ्ट तैयार

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट का पहला ड्राफ्ट पूरा होने पर अभिनेत्री सना सईद ने खुशी जताई है। सना सईद बियॉन्ड मैजिक स्टूडियोज के तहत इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं, और दिलचस्प बात यह है कि वह इस फिल्म में एक्टिंग भी करेंगी, जिससे यह उनके लिए एक दोहरी चुनौती और अवसर बन जाता है। अभिनेत्री से निर्माता बनने का उनका यह सफर उनकी रचनात्मकता और उद्यमिता को दर्शाता है। सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर करते हुए सना ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि हाथ में स्क्रिप्ट पकड़ने से उन्हें फिल्म बनाने का अपना सपना आखिरकार बहुत असली लगा। वीडियो में उन्होंने कहा, मेरे हाथ में एक फीचर फिल्म के प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट का पहला ड्राफ्ट है, जिसे हम मेरी प्रोडक्शन कंपनी, बियॉन्ड मैजिक स्टूडियो के तहत बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म बनाने की दिशा में मेरा पहला कदम है और यह बस शुरुआत है। उनके चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था। उन्होंने आगे कहा, फिल्म बनाना बहुत मेहनत का काम है और इसमें बहुत कुछ शामिल है जिसे मैं अभी सीख और समझ रही हूं लेकिन हाथ में यह पहला ड्राफ्ट होना बहुत एक्साइटिंग है।

उज्जैन संभाग

सेंट्रल जेल में 'आपके आ जाने से...गाने पर डांस

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • केंद्रीय जेल भैरवगढ़ में जेल अधीक्षक के जन्मदिन पर जेल परिसर के भीतर आयोजित बर्थडे पार्टी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में डिप्टी जेलर समेत कई जेलकर्मी फिल्म अभिनेता गोविंदा के गाने पर थिरकते नजर आ रहे हैं। यह पूरा घटनाक्रम 9 जुलाई का बताया जा रहा है। उस दिन केंद्रीय जेल भैरवगढ़ के जेल अधीक्षक मनोज साहू का जन्मदिन था। जन्मदिन को खास बनाने के लिए जेल परिसर के भीतर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान डिप्टी जेलर सुरेश गोयल वर्दी में फिल्मी धुन पर जेल के सुरक्षाकर्मियों और अन्य अधिकारियों के साथ जश्न मनाते दिखाई दिए। वीडियो में जेल अधीक्षक के लिए केक काटने के साथ ऑर्केस्ट्रा की भी व्यवस्था नजर आ रही है। मंच पर जेल अधीक्षक के साथ अन्य लोग भी मौजूद दिखाई दे रहे हैं। वायरल वीडियो में डिप्टी जेलर सुरेश गोयल फिल्म अभिनेता गोविंदा के लोकप्रिय गीत 'आपके आ जाने से...' पर फिल्मी अंदाज में डांस करते नजर आ रहे हैं। उनके साथ अन्य कर्मचारी भी नाचते दिखाई दे रहे हैं। मामले में डिप्टी जेलर सुरेश गोयल का कहना है कि बड़े साहब के जन्मदिन पर दिनभर के कामकाज की थकान और तनाव दूर करने के लिए जेल प्रहरियों के साथ डांस किया गया था।

पुजारियों के कपड़े सिलने वाले बयान पर महाकालसेना का विरोध

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • दान चोरी मामले में बिना जेब वाले कुर्ते पहनने की वकालत मेटल डिटेक्टर से जांच की मांग करने वाले महामंडलेश्वर और पुजारियों के बीच उपजा विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को महाकाल सेना ने चार धाम मंदिर से जुड़े महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद महाराज पर कार्यवाही के लिए परमानंद महाराज को एक पत्र लिखकर चारधाम की प्रतिष्ठा को धूमिल करने की बात लिखी है। पत्र में लिखा है कि दान चोरी को लेकर पिछले दिनों अखाड़ा परिषद अध्यक्ष और महामंडलेश्वर शांति स्वरुपानंद महाराज ने मीडिया से चोरी रोकने के लिए पुजारियों की जेब सिलने और मंदिर में प्रवेश के लिए मेटल डिटेक्टर लगाने की बात कही थी। जिसके बाद अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने नाराजगी जताते हुए इसे पुजारियों का अपमान बताया था। उन्होंने पुजारियों के मान-सम्मान को गिराने की कोशिश बताकर दोनों के खिलाफ कार्यवाही की बात कही थी। सोमवार एक बार फिर मामले ने तूल पकड़ा और अब महाकाल सेना के राष्ट्रीय संगठन मंत्री किशन पांडेय ने एक पत्र परमानंद जी महाराज को लिखा जिसमें महाकाल सेना द्वारा निंदा और विरोध करते हुए इसे चार धाम की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास बताते हुए कहा कि देश के समस्त पुजारियों में इस बात आक्रोश भी है इसलिए भविष्य में चारधाम की बदनामी न हो आप (परमानंद) स्वयं की बदनामी न हो, इसलिए मांग करते हैं कि इन्हें चार धाम के पद से शांतिस्वरूपानंद को हटाया जाए। पत्र में लिखा कि यदि इन्हें पद से नहीं हटाया गया तो महाकाल सेना द्वारा शांतिस्वरूपानंद का विरोध और सरकार से चारधाम के सरकारीकरण करने जैसी मांग की जाएगी।

प्लास्टिक गोदाम में 18 घंटे बाद बुझी आग, शॉर्ट सर्किट की आशंका

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • बड़नगर में रविवार-सोमवार दरमियानी रात बारदान और प्लास्टिक से भरे गोदाम में भीषण आग लग गई। आग तेजी से फैली और पूरे गोदाम को चपेट में ले लिया। आग बुझाने के लिए बड़नगर और उज्जैन की पांच दमकलें मौके पहुंची। पानी लेकर 28 टैंकर थी पहुंचे। 18 घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। घटना उज्जैन रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित विक्रम ट्रेडिंग कंपनी के गोदाम की है। गोदाम संचालक नरपत सिंह के मुताबिक, रात करीब 12 बजे आग लगी। उन्हें करीब दो घंटे बाद इसकी जानकारी मिली। तब तक गोदाम का बड़ा हिस्सा जल चुका था। रात करीब 3 बजे दमकल को सूचना दी गई। इसके बाद से अब तक 5 दमकल वाहन आग बुझाने में लगे। आग लगातार फैलने के कारण उसे पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सका लेकिन 18 घंटे बाद इस पर काबू पाया गया। गोदाम संचालक ने बताया कि आग से अब तक एक करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो चुका है। शुरुआती जानकारी के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट से लगने की आशंका है। हालांकि, आग लगने के सही कारणों की जांच की जा रही है।

ट्रैफिक जाम रोकने सड़क पर उतरे महापौर दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • शहर में सड़कों के चौड़ीकरण के बीच यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए महापौर मुकेश टटवाल सोमवार को स्वयं सड़क पर उतरे। नई सड़क क्षेत्र में लगातार लग रहे ट्रैफिक जाम को देखते हुए उन्होंने दुकानों के बाहर अवैध रूप से रखा सामान हटवाया। महापौर ने हाथ में माइक लेकर दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी कि यदि दोबारा नाली या सड़क पर सामान रखा मिला, तो नगर निगम उसे तत्काल जब्त कर लेगा और किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। नई सड़क पर नगर निगम की रिमूवल गैंग के साथ पहुंचे महापौर की माइक से की गई घोषणा के बाद व्यापारियों में हड़कंप मच गया। कई दुकानदारों ने तुरंत दुकानों के बाहर रखा सामान हटाकर अंदर रख लिया। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट

किया कि यातायात में बाधा बनने वाले किसी भी अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले दिनों में यदि किसी भी दुकानदार का सामान निर्धारित सीमा से बाहर मिला, तो बिना किसी रियायत के जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। महापौर मुकेश टटवाल ने कहा- उज्जैन में इस समय कई प्रमुख सड़कों का चौड़ीकरण तेजी से चल रहा है। निर्माण कार्य के कारण वैकल्पिक मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ गया है। विशेष रूप से नई सड़क, घंटाघर और तेलीवाड़ा मार्ग पर वाहनों की आवाजाही अधिक है। उन्होंने कहा, 'इन मार्गों पर कई दुकानदार नालियों के ऊपर तक अपना सामान रख देते हैं। इसके अलावा ग्राहकों के वाहन भी सड़क पर खड़े हो जाते हैं, जिससे आम लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। निगम की टीम लगातार समझाइश दे रही थी, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं होने पर आज स्वयं मौके पर पहुंचकर व्यापारियों को अंतिम चेतावनी दी गई है।

दान-चोरी-बगलामुखी मंदिर समिति के पदाधिकारी अंडरग्राउंड

दैनिक इंदौर संकेत

आगर-मालवा • आगर-मालवा जिले के नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की जांच शुरू हो चुकी है। मंदिर के नाम पर तीन साल पहले यानी 2024 में बनी 'नलखेड़ा सुदर्शन सेवा समिति' के पदाधिकारी अंडरग्राउंड हैं। नियम विरुद्ध बनी इस समिति में 12 सदस्य हैं। समिति की वो रसीद बुक भी सामने आई है, जिसके माध्यम से समिति के लोग चंदा इकट्ठा करते थे। इस पर 'रजत सौंदर्यीकरण हेतु दान पत्र' लिखा है। रजिस्ट्रेशन नंबर, मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक का अकाउंट नंबर, इ्फ्स्ष्ट कोड और पांच मोबाइल नंबर भी दर्ज हैं। रसीद में दर्ज पहले फोन नंबर पर कॉल किया, इसे दामोदर खंडेलवाल ने रिसीव किया। खुद को किराना व्यापारी बताते हुए उन्होंने कहा- मेरा नाम समिति में जरूर है, लेकिन इसके कामकाज में सक्रिय नहीं रहा। व्यापार के कारण समय नहीं मिल पाता। केवल माता की निःस्वार्थ भाव से सेवा-भक्ति करता हूं। उन्होंने बताया कि जांच के संबंध में अब तक किसी अधिकारी ने उनसे संपर्क नहीं किया है। रसीद पर दर्ज दूसरा नंबर डायल किया तो कॉल पिंटू खंडेलवाल ने उठाया। उनका कहना था कि मैं समिति का सदस्य नहीं हूं। रसीद बुक पर मेरा फोन नंबर कैसे दर्ज हो गया, इसकी जानकारी नहीं है। समिति के रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स देखे जाएं, इनमें मेरा नाम नहीं मिलेगा। उन्होंने बताया कि वे हार्डवेयर कारोबारी हैं। लंबे समय से मां बगलामुखी की सेवा से जुड़े हैं। साल 1995-96 में मंदिर का प्लास्टर क्षतिग्रस्त होने पर 10 रुपए की ड्रॉ टिकट बेचकर मरम्मत कराई गई। इसके बाद 1998-99 में धर्मस्व विभाग से एक लाख रुपए स्वीकृत कराकर जनसहयोग से धर्मशाला और राधाकृष्ण मंदिर का निर्माण कराया गया।

जेल से फरार कैदी छह महीने बाद गिरफ्तार,अपहरण-रेप के मामले में बंद था

दैनिक इंदौर संकेत

नागदा • करीब छह माह पहले खाचरोद उपजेल से फरार हुए तीन विचाराधीन बंदियों में से एक आरोपी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। खाचरोद और रतलाम पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में फरार आरोपी गोपाल कीर (23) को रतलाम जिले के खारवाकला क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से एक तलवार भी बरामद हुई है, जिसके चलते उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत अलग से मामला दर्ज किया गया है। वहीं, जेल से फरार हुए अन्य दो आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। 25 दिसंबर 2025 को खाचरोद उपजेल में बंद तीन विचाराधीन बंदी जेल परिसर में पेंटिंग का काम कर रहे थे। इसी दौरान सुरक्षा व्यवस्था में मिली ढील का फायदा उठाकर तीनों फरार हो गए थे। घटना के बाद प्रदेशभर में हड़कंप मच गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन जेल महानिदेशक वरुण कपूर खाचरोद पहुंचे थे। प्रारंभिक जांच के बाद दो जेलर और एक जेल प्रहरी को निलंबित किया गया था। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी गोपाल कीर नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में न्यायिक हिरासत में था। वह करीब एक साल से जेल में बंद था। उसके साथ फरार हुआ गोविंदलाल बलाई हत्या के मामले में, जबकि नारायण जाट दुष्कर्म के आरोप में विचाराधीन बंदी था। तीनों के मामले अभी न्यायालय में लंबित हैं। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर खाचरोद और रतलाम पुलिस ने संयुक्त घेराबंदी कर गोपाल कीर को गिरफ्तार किया।

शिक्षा विभाग की उल्टी धारा, पोस्टिंग से पहले मांगी सहमति-असहमति

आशीष गुप्ता : 9425064357

शिक्षक संगठनों ने किया विरोध, पदोन्नत होने वाले शिक्षक असमंजस में

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 853 व्याख्याताओं की प्राचार्य पद पर पदोन्नति सूची जारी होने के बाद अधिकृत तौर पर उनसे 15 दिन के भीतर सहमति या असहमति पत्र मांगा जा रहा है, लेकिन मौखिक तौर पर पदोन्नत होने वाले शिक्षकों से तत्काल सहमति-असहमति मांगी जा रही है। लोक शिक्षण संचालनालय की यह प्रक्रिया प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बन गई है।

जानकारों का कहना है कि सामान्यत: पहले पदोन्नति आदेश जारी होता है, उसके बाद पदस्थापना (पोस्टिंग) की जाती है। संबंधित शिक्षकों को जहां पदस्थ किया जाता है, वहां कार्यभार ग्रहण करने की प्रक्रिया होती है। यदि किसी शिक्षक को कोई वैधानिक कारण हो, तभी वह उस स्तर पर अपना पक्ष रखता है, लेकिन इस मामले में पोस्टिंग से पहले ही सहमति और असहमति मांगना पूरी प्रक्रिया को उल्टा करने जैसा माना जा रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब अभी तक किसी शिक्षक को यह भी पता नहीं कि उसकी पदस्थापना किस जिले या किस विद्यालय में होगी, तो वह किस आधार पर सहमति या असहमति देगा? यदि पोस्टिंग दूरस्थ क्षेत्र में होती है या अन्य प्रशासनिक परिस्थितियां सामने आती हैं, तब निर्णय लेना अधिक तर्कसंगत माना जाता है।

सूत्रों के अनुसार एक शिक्षा विभाग के अधिकारी ने अपना नाम ना बताने की शर्त बताया कि संचालनालय को पहले पोस्टिंग सूची जारी कर शिक्षकों को पदस्थ करना चाहिए था। उसके बाद यदि कोई शिक्षक पदभार ग्रहण नहीं करता, तब नियमानुसार कार्रवाई या असहमति की प्रक्रिया अपनाई जा सकती थी।

डीपीआई के इस निर्णय ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या विभाग जल्दबाजी में प्रक्रिया पूरी कर रहा है या फिर भविष्य में होने वाली प्रशासनिक जटिलताओं से बचने के लिए पहले ही सहमति पत्र लेकर अपनी जिम्मेदारी कम करना चाहता है।

क्या कहते हैं अधिकारी...

प्रमोशन की प्रक्रिया जारी है। जैसा विभाग के मुख्यालय से निर्देश होंगे, हम उसका पालन करेंगे।
- **अनीता चौहान**, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण इंदौर संभाग

हाई स्कूल कैडर राज्य स्तरीय है। उनकी स्थापना से संबंधित समस्त निर्णय लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा लिये जाते हैं।
- **शौर्य मल्होत्रा**, जिला शिक्षा अधिकारी जिला इंदौर

संगठनों ने जताई आपत्ति...

अगर नियम की बात की जाए तो पहले शिक्षकों को उनको पदोन्नत संस्था की जानकारी दी जानी चाहिए उसके बाद ही सहमति और असहमति लेना चाहिए।
- **आलोक परमार**, कार्यकारी अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष, मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस

बिना काउंसलिंग के पोस्टिंग देना प्राकृतिक न्याय के खिलाफ है।
- **केके आर्य**, प्रदेश उपाध्यक्ष, आजाद अध्यापक शिक्षक संघ, मध्यप्रदेश

उच्च माध्यमिक शिक्षकों का फंसा पेंच-राज्य में तकरीबन 75 हजार ऐसे उच्च माध्यमिक शिक्षक है जो पद में व्याख्याता के ही समकक्ष है। लेकिन उनके प्रमोशन की अभी कोई चर्चा नहीं है। 2018 में इनका निकायों से विभाग में संविलियन किया गया था। अब इनमें से अधिकांश प्रभार पर हाईस्कूल और हायर सेकंडरी विद्यालयों की व्यवस्थाएं संभाल रहे। चूंकि उच्च माध्यमिक शिक्षकों का नियोक्ता अधिकारी लोक शिक्षण संचालनालय है। यहीं से प्रमोशन सूची जारी होना है, लेकिन जिला शिक्षा अधिकारियों से भी इनके संबंध में कोई जानकारी नहीं मांगी गई है।

क्या कहते हैं शिक्षाविद्...

पूर्व में पदोन्नति के साथ ही नवीन पद स्थापन की जाती थी द्य वर्तमान में ही इस प्रक्रिया को पूर्ण किया जा सकता है। यदि सहमति असहमति का प्रश्न है तो बिना पदस्थापना के कैसे असहमति प्रकट की जाएगी ? यदि कोई सेवानिवृत्ति के निकट हो तो उसे जिले से दूर जाने में निश्चित असुविधा होगी।
- **हीरालाल खुशाल**, पूर्व डीईओ जिला देवास

स्कूली शिक्षा विभाग में पूर्व में भी पदोन्नतियां हुई हैं, जिसमें पदांकन सहित आदेश होता था। उसमें पदोन्नत व्यक्ति जिसे नहीं जाना हो अपनी असहमति देता था। इस बार पहले पदोन्नत किया है पदांकन नहीं करते हुए सहमति मांगी हैं। यह अनुचित है। इसमें पदोन्नत व्यक्ति दुविधा में है, हां करूं या ना। पदांकन के साथ असहमति मांगना उचित है।
- **रमेश दाधीच**, शिक्षाविद्

पदोन्नति की खुशी हुई काफूर

लिस्ट में शामिल अनेक व्याख्याता ने अपना नाम नहीं छापने पर बताया कि शासन बिना पदस्थापना लिए सहमति कैसे मांग सकता है। यह तो एक तरह से तानाशाही है। शिक्षा विभाग पदोन्नत कर रहा है लेकिन डंडे के जोर पर प्रक्रिया की जा रही है वो गलत है।

सवाल जो उठ रहे हैं-

- पोस्टिंग से पहले सहमति या असहमति किस आधार पर?
- बिना पदस्थापना के अधिकारी कैसे निर्णय ले?
- क्या डीपीआई ने स्थापित प्रशासनिक प्रक्रिया को उल्टा कर दिया?
- क्या इससे आगे पोस्टिंग प्रक्रिया में नए विवाद खड़े हो सकते हैं?

जल संसाधन मंत्री सिलावट की विधानसभा में ही बह गया 2 करोड़ का स्टॉप डैम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट की विधानसभा सांवेर (इंदौर) में ही स्टॉप डैम बह गया है। इसे लेकर कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। यह डैम दो माह भी नहीं टिका और मानसून की पहली बारिश में ही ढह गया।

सांवेर विधानसभा से विधायक और जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट को एक स्टॉप डैम ने घेर दिया है। यह दो महीने पहले ही ग्राम मकोडिया में शिप्रा नदी पर बनाया गया था। लेकिन पहली बारिश ही नहीं झेल सका और ढह गया। यह डैम दो करोड़ की लागत से बनाया गया था।

डैम टूटने की खबर मिलते ही पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा और जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। सज्जन सिंह वर्मा ने इसे भ्रष्टाचार की हद बताते हुए कहा कि यह सिर्फ एक स्टॉप डैम का टूटना नहीं है, बल्कि मंत्री तुलसीराम सिलावट के विकास कार्यों की हकीकत सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि जब 2 करोड़ रुपए की लागत से बना डैम पहली बारिश भी नहीं झेल पाया, तो निर्माण की गुणवत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

दर्जन भर स्टॉप डैम पर उठे सवाल

सज्जन सिंह वर्मा और विपिन वानखेड़े ने कहा कि इस पूरे क्षेत्र में 10-11 ऐसे स्टॉप डैम बनाए गए हैं, जो सिर्फ कमीशनखोरी का जरिया हैं। इस दौरान जिला कांग्रेस के कोषाध्यक्ष हनी यादव, प्रमुख किसान नेता हंसराज मंडलोई और किसान नेता दिनेश पटेल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मंत्री को घेरा-सज्जन वर्मा ने सिंचाई मंत्री तुलसीराम सिलावट से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने की मांग की है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े ने कहा कि सांवेर की जनता सब देख रही है। आज जो डैम बह गया, वह मंत्री के विकास दावों की पोल खोलने के लिए काफी है।

इंस्टाग्राम पर नौकरी का झांसा, युवक से ऑनलाइन ठगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में नौकरी की तलाश कर रहे एक युवक को इंस्टाग्राम पर नौकरी का विज्ञापन देख आवेदन करना महंगा पड़ गया। ठगों ने पहले रजिस्ट्रेशन के नाम पर पैसे लिए, फिर टेलीग्राम पर टास्क पूरा कराने के बहाने अलग-अलग क्यूआर कोड पर रकम जमा कराते रहे। मामला अन्नपूर्णा थाना पहुंचा, जहां पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अन्नपूर्णा थाना पुलिस के मुताबिक, सुदामा नगर निवासी राजीव चौधरी ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वह नई नौकरी की तलाश कर रहे थे। 8 जुलाई को इंस्टाग्राम पर नौकरी का विज्ञापन देखकर आवेदन किया था। आवेदन के कुछ देर बाद उनके व्हाट्सएप पर मैसेज आया। इसमें एक लिंक भेजकर टेलीग्राम पर रजिस्ट्रेशन करने को कहा गया। रजिस्ट्रेशन के लिए 100 रुपए शुल्क बताया गया और क्यूआर कोड भेजकर भुगतान कराया गया।

128 करोड़ के लाइट हाउस प्रोजेक्ट की हालत खराब, निगमायुक्त को पेश होने के आदेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पीएम आवास योजना के तहत इंदौर में बने लाइट हाउस प्रोजेक्ट की हालत खराब है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इसका वर्चुअल उद्घाटन किया था। अब खराब हालत पर हाईकोर्ट में याचिका लगी है, जिसमें निगमायुक्त क्षितिज सिंघल को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश दिए हैं। पीएम आवास योजना के तहत इंदौर में साल 2023 में 128 करोड़ रुपए की लागत से लाइट हाउस प्रोजेक्ट तैयार किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका वर्चुअल उद्घाटन किया था। इंदौर नगर निगम ने इसे अहम प्रोजेक्ट बताया था। गुलमर्ग कॉम्प्लेक्स-2 में 1040 फ्लैट बनाए गए थे। अब इन फ्लैटों की हालत खराब हो चुकी है। महज तीन साल में ही कई फ्लैटों में रहने में दिक्कतें आने लगी हैं। इसी समस्या को लेकर रहवासी नरेंद्र गोस्वामी ने एमपी हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

सीपेज और लीकेज से हालत खराब

गुलमर्ग कॉम्प्लेक्स-2 में सीपेज और लीकेज की शिकायतों को लेकर रहवासी ने जनहित याचिका लगाई है। इस पर हाईकोर्ट ने स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन निगम ने नहीं दी। इस पर अब डिवीजन बेंच ने निगमायुक्त आईएएस क्षितिज सिंघल को 14 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के आदेश दिए हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने किया था उद्घाटन-इस प्रोजेक्ट के तहत नगर निगम ने गुलमर्ग कॉम्प्लेक्स-2 में 1040 फ्लैट बनाए थे। ये फ्लैट केंद्र सरकार के लाइट हाउस प्रोजेक्ट के तहत प्री-फेब्रिकेटेड सैंडविच तकनीक से तैयार किए गए थे। साल 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका वर्चुअल उद्घाटन किया था। लेकिन अब तीन साल के अंदर ही यहां कई समस्याएं सामने आने लगी हैं। फ्लैटों में पाइपलाइन लीकेज, दीवारों में सीपेज, कमरों में गंदा पानी भरने और नमी की वजह से बिजली की लाइनों में शॉर्ट सर्किट जैसी शिकायतें आ रही हैं। एक फ्लैट की कीमत करीब 12 लाख रुपए है, जिसमें हितग्राहियों को 6 लाख रुपए तक का अनुदान मिला था।

हाईकोर्ट इन सभी से मांग चुका है जवाब-अधिवक्ता अनुराग जैन ने बताया कि हाईकोर्ट इस मामले में पहले ही केंद्र सरकार, एमपी सरकार, इंदौर नगर निगम और निर्माण एजेंसी मेसर्स केपीआर प्रोजेक्ट्स कॉन प्रा. लि. को नोटिस जारी कर चुका है। कोर्ट ने सभी से जवाब मांगा है। वहीं नगर निगम ने भी निर्माण एजेंसी को फ्लैटों में आ रही समस्याओं को दूर करने के निर्देश दिए थे, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ है और शिकायतें अब भी बनी हुई हैं।

कांग्रेस के जेन जी साइक्लोथॉन पर सियासी घमासान, भाजपा ने लगाए लालच के आरोप

प्रदेश प्रवक्ता ने कहा- युवाओं को 2 हजार का प्रलोभन दे रहे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कांग्रेस की ओर से आज और कल प्रस्तावित इंदौर-भोपाल जेन जी साइक्लोथॉन शुरू होने से पहले ही राजनीतिक विवादों में घिर गई है। भारतीय जनता पार्टी के नए प्रदेश प्रवक्ता राकेश सिंह यादव ने कांग्रेस पर छात्रों को इस कार्यक्रम में शामिल करने के लिए लालच देने और दबाव बनाने का आरोप लगाया है। भाजपा ने इस मामले में कथित ऑडियो का हवाला देते हुए प्रशासन से जांच कराने की मांग की है। भाजपा ने साक्ष्य के बतौर ऑडियो भी जारी किए है। प्रवक्ता राकेश सिंह यादव ने बताया कि कांग्रेस से जुड़े छात्र नेता रवि दांगी छात्रों को साइक्लोथॉन में शामिल होने के लिए दो-दो हजार रुपये देने का प्रलोभन दे रहे हैं। साथ ही छात्रों पर कार्यक्रम में भाग लेने का दबाव भी बनाया जा रहा है। मैंने इस पूरे मामले की शिकायत कलेक्टर से करते हुए कथित ऑडियो की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

आरोप को निराधार बताया-पार्टी का कहना है कि यदि युवाओं की भागीदारी स्वाभाविक है तो उन्हें किसी प्रकार के लालच या दबाव की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। दूसरी ओर कांग्रेस ने भाजपा के आरोपों को पूरी तरह निराधार और राजनीतिक बताया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जेन जी साइक्लोथॉन युवाओं के अधिकार, रोजगार, शिक्षा और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर जनजागरण अभियान का हिस्सा है।

बारिश से बिगड़ी रेलवे की रफ्तार, इंदौर आने-जाने वाली एक दर्जन ट्रेनें लेट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लगातार जारी बारिश का असर अब रेल सेवाओं पर भी दिखाई देने लगा है। इससे इंदौर आने जाने वाली दर्जनभर ट्रेने प्रभावित हुई हैं। रेलवे की यात्रियों से अपील है कि, यात्रा से पहले अपनी ट्रेन का लाइव स्टेटस जरूर चेक करें।

देश के दूसरे हिस्सों में लगातार हो रही मूसलधार बारिश का असर अब मध्य प्रदेश में खासकर इंदौर की रेल सेवाओं पर भी दिखाई देने लगा है। यहां लगातार जारी बारिश के कारण एक दर्जन से अधिक ट्रेनें अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं। सबसे अधिक प्रभावित वे ट्रेनें हैं, जिनका संचालन मुंबई, पुणे रूट से होता है। इससे यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

चट्टानें और मलबा रेलवे ट्रैक पर आ गया-रेलवे अधिकारियों के अनुसार मुंबई-पुणे सेक्शन में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण कई स्थानों पर पहाडियों से चट्टानें और मलबा रेलवे ट्रैक पर आ गया। सुरक्षा को देखते हुए ट्रेनों की रफ्तार कम करनी पड़ी, जबकि कुछ ट्रेनों का संचालन वैकल्पिक मार्ग से किया जा रहा है। इसका सीधा असर इंदौर आने-जाने वाली ट्रेनों के संचालन पर पड़ा है।

इंदौर-दौंड के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन कई दिनों से निरस्त-इंदौर-दौंड के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन पिछले कई दिनों से निरस्त चल रही है, जिससे इस रूट पर यात्रा करने वाले यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। हालांकि कल अवंतिका एक्सप्रेस निर्धारित समय पर इंदौर पहुंची, जिससे यात्रियों को कुछ राहत मिली। वहीं, इंदौर-जयपुर एक्सप्रेस भी अपने तय समय से देरी से रवाना हुई। इसके अलावा मालवा एक्सप्रेस करीब ढाई घंटे की देरी से चली। रेलवे के अनुसार मौसम सामान्य होने तक ट्रेनों की समय-सारिणी प्रभावित रह सकती है।

बदल रहे रास्ते-रेलवे अधिकारियों का कहना है। कि, यात्रियों की सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता है। जिन क्षेत्रों में भारी बारिश और भूस्खलन का खतरा बना हुआ है, वहां ट्रेनों का संचालन पूरी सतर्कता के साथ किया जा रहा है। आवश्यकता पड़ने पर ट्रेनों की गति कम की जा रही है और कुछ सेवाओं का मार्ग भी बदला जा रहा है।

रेलवे की अपील-रेलवे ने यात्रियों से अपील की है। कि, यात्रा पर निकलने से पहले अपनी ट्रेन की लाइव रनिंग स्टेटस और समय मौसम में सुधार होने के बाद ही ट्रेनों की जानकारी अवश्य जांच लें। का संचालन पूरी तरह सामान्य हो सकेगा। तब तक पश्चिम और मध्य भारत के कई रेल मार्गों पर देरी की स्थिति बनी रह सकती है।

यात्रियों को मिलेगा वैकल्पिक मार्ग, स्टेशन के पास बनेगी पार्किंग

एयरपोर्ट से मेट्रो तक बनेगा नया प्रवेश द्वार 4 माह में तैयार होगा गेट और संपर्क मार्ग

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एयरपोर्ट परिसर में मार्ग बनाने प्रक्रिया की शुरू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करने की दिशा में अहम कदम उठाया गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एयरपोर्ट परिसर में नया प्रवेश द्वार, गेट, और संपर्क मार्ग विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है और निर्माण कार्य अगले चार माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार नया गेट एयरपोर्ट के रनवे की ओर स्थित हिस्से में बनाया जाएगा और इसे रनवे-07 से जोड़ा जाएगा। फिलहाल इसका मुख्य उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में दमकल, एंबुलेंस और अन्य सुरक्षा वाहनों को रनवे तक तेज़ी से पहुंचाने की सुविधा उपलब्ध कराना है। हालांकि भविष्य में इस मार्ग का उपयोग बिजासन मंदिर रोड और एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन के बीच नई कनेक्टिविटी के रूप में भी किया जा सकेगा।

मेट्रो तक पहुंच होगी आसान: एयरपोर्ट के सामने बन रहे मेट्रो स्टेशन के शुरू होने के बाद बड़ी संख्या में यात्री मेट्रो के माध्यम से एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसे देखते हुए एयरपोर्ट अथॉरिटी अभी से ऐसी आधारभूत सुविधाएं विकसित कर रही है, जिससे एयरपोर्ट और मेट्रो के बीच आवागमन सहज और सुगम हो सके। नया गेट बनने के बाद यात्रियों को भविष्य में अधिक सुविधाजनक और वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होने की संभावना है।

मुख्य गेट पर कम होगा ट्रैफिक का दबाव: वर्तमान में एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश और निकास के लिए मुख्य रूप से एक ही गेट का उपयोग किया जाता है। सुबह-शाम और उड़ानों के व्यस्त समय में यहां वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे यात्रियों, टैक्सी संचालकों और निजी वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। नया गेट शुरू होने के बाद वाहनों का दबाव बंटेगा और ट्रैफिक प्रबंधन भी अधिक सुचारु हो सकेगा।

पहले उठाया, फिर छोड़ा अब तीसरी बार पुलिस ने नाना पटवारी को दिया पूछताछ का नोटिस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई कुलभूषण उर्फ नाना का मामला उलझता जा रहा है। गुरुवार 9 जुलाई को पहले पुलिस ने उठाया और रात को छोड़ा। शनिवार 11 जुलाई को नोटिस देकर बुलाया, फिर छोड़ा और अब फिर नया नोटिस देकर सोमवार 13 जुलाई को बुलाया गया है।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी का मामला ड्रग पैडलर से संबंध से शुरू हुआ था। अब यह मामला युवती के आरोपों से ऑनलाइन गेमिंग तक पहुंच गया है। वहीं इसी के साथ विजयनगर में दर्ज हुए साल 2020 के केस की भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि पुलिस उन्हें उठाने से लेकर नोटिस देकर बुलाने तक सब कर चुकी है लेकिन अभी तक पुख्ता कुछ नजर नहीं आ रहा है।

उधर आरोपियों की रिमांड-वहीं पुलिस ने रविवार को नाना के पुराने ड्राइवर भुरू उर्फ आरिफ बैंड को कोर्ट में पेश कर रिमांड ले ली है। इसके पहले पुलिस गोलू उर्फ इरफान और रौनी उर्फ संजय कौशल की रिमांड ले चुकी है। अब सभी को आमने-सामने कराया जा रहा है। भुरू ने ड्रग की व्यवस्था करवाई और गोलू व रौनी यह 10.80 ग्राम ड्रग नाना को देने जा रहे थे। ऐसा पुलिस की पूछताछ में बताया गया है।

अब नया मामला युवती के बयान से उठा

दरअसल एक युवती ने पुलिस को नाना द्वारा लाखों की धोखाधड़ी की शिकायत की है। इसी युवती द्वारा पहले पुलिस को नाना के ड्रग मामले को लेकर जानकारी दी थी। अब इसके द्वारा पुलिस को शुभम वैली कॉलोनी के एक भूखंड के अनुबंध की जानकारी पुलिस को दी गई है और शिकायत की है। एक अन्य युवती ने भी कहा कि पति से विवाद के बाद उनके द्वारा नाना से मदद मांगी गई थी। राजेंद्र नगर टीआई यशवंत बडौले ने नाना को नोटिस देकर सोमवार, 14 जुलाई को पूछताछ के लिए बुलाया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।